राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार 24 अक्टूबर2020 वर्ष-3, अंक -268 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में संक्रमण के नए मामले घट रहे, कोरोना से जंग में बची हैं ये तीन चुनौतियां

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के संक्रमण के नए मामले लगातार घट रहे हैं। पिछले सात दिनों के दौरान रोज संक्रमण के मामले 65 हजार से कम दर्ज किए गए। वहीं, गुरुवार को लगातार चौथे दिन नये मामलों की संख्या 60,000 से नीचे रही। सितंबर के मुकाबले अक्टूबर में जहां टेस्ट की संख्या बढ़ी, वहीं मामलों के पॉजिटिव आने की दर 2.5 फीसदी घट गई। सक्रिय मामले भी 10 फीसदी से नीचे बने हुए हैं। स्वस्थ होने की दर भी 89.20 फीसदी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इन सभी राहत भरे रुझानों के बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं। उनका कहना है कि त्योहारों का मौसम आ चुका है और ठंड दस्तक देने वाली है। ऐसे में जरा सी लापरवाही संक्रमण बढ़ने का बड़ा खतरा पैदा कर सकती है।

पिछले 24 घंटे में 55,839 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए और 702 संक्रमितों की मौत हुई। इस अवधि में 79,415 मरीज ठीक भी हुए हैं। देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 20,000 से कम सक्रिय मामले हैं। केवल केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 50,000 से ज्यादा सक्रिय मामले दर्ज हो रहे हैं। सबसे ज्यादा सक्रिय केस महाराष्ट्र में हैं।

देश में मृत्यु दर और सक्रिय मामलों की दर में भी लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मृत्यु दर गिरकर 1.51त्न हो गई। इसके अलावा सक्रिय मामले जिनका इलाज चल है उनकी दर भी 10 फीसदी से कम है। वर्ल्डोमीटर के मुताबिक, सक्रिय मामले और कोरोना संक्रमितों की संख्या के हिसाब से भारत दुनिया का दूसरा सबसे प्रभावित देश है। मौत के मामले में अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत तीसरे स्थान पर है।

सितंबर के मुकाबले अक्टूबर में जहां टेस्ट की संख्या बढ़ी, वहीं मामलों के पॉजिटिव आने की दर 2.5 फीसदी घट गई। सक्रिय मामले भी 10 फीसदी से नीचे बने हुए हैं। स्वस्थ होने की दर भी 89.20 फीसदी है।

तीन बड़ी चुनौतियां

1. त्योहार- विशेषज्ञों ने चेताया है कि त्योहारों में भीड़ से कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं। उन्होंने लोगों को त्योहार मनाते वक्त कई सावधानी बरतने की सलाह दी है। बाजार में भीड़-भाड़ से बचने को कहा है। त्योहारों में संक्रमण के केस बढ़ने का मामला केरल में देखा जा चुका है, जहां ओणम के बाद मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

2. मौसम- ऐसी कई रिपोर्ट और स्टडी सामने आ चुकी हैं, जिनमें दावा किया गया है कि ठंड के मौसम में कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि आ सकती है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन का कहना है कि कोरोना एक रेस्पिरेट्री वायरस है और ऐसे वायरस को ठंड के मौसम में बढ़ने के लिए जाना जाता है। रेस्पिरेट्री वायरस ठंड के मौसम और कम आर्द्रता की स्थिति में बेहतर तरीके से पनपते हैं। यूरोप और अमेरिका इसके बड़े उदाहरण हैं। यहां ठंड शुरू होते ही पहली लहर के मुकाबले रोज नए मामलों में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। फ्रांस में तो गर्मियों के मुकाबले ज्यादा केस दर्ज किए जा रहे हैं।

3. वैक्सीन-फिलहाल दुनिया में कोरोना की न तो कोई दवा और न ही कोई वैक्सीन मौजूद है। अगले साल फरवरी तक इसके आने की उम्मीद है। ऐसे में संक्रमण से बचने के लिए सावधानी बहुत जरूरी है। देश में कोरोना वैक्सीन पर वैज्ञानिकों की उच्च स्तरीय टीमें निरंतर जुटी हुई है। देसी कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन का आखिरी ट्रायल अगले महीने से शुरू होने वाला है। ऐसे में इसके फरवरी तक आने की उम्मीद जताई जा रही है।

कोरोना संक्रमण-सितंबर की तुलना में अक्तूबर में मामले घटे

16 से 22 सितंबर
16 सितंबर 2020-90,123
17 सितंबर 2020-97,894
18 सितंबर 2020-96,424
19 सितंबर 2020-93,337
20 सितंबर 2020-92,605
21 सितंबर 2020-86,961
22 सितंबर 2020-75,083
औसत मामले-90347
16 अक्तूबर 2020-63,371
17 अक्तूबर 2020-62,212
18 अक्तूबर 2020-61,871
19 अक्तूबर 2020-55,722
20 अक्तूबर 2020-46,790
21 अक्तूबर 2020-54,044
22 अक्तूबर 2020-55,839

फाइनल प्रेसिडेंशियल डिबेट में बोले ट्रंप- तैयार है कोरोना की वैक्सीन, आएगी कुछ हफ्तों में

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने (स्थानीय समय) पर डेमोक्रेट राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बिडेन के साथ अपनी अंतिम बहस में कहा कि कोरोना की वैक्सीन तैयार है और कुछ हफ्तों में उपलब्ध हो जाएगी। इससे पहले, राष्ट्रपति ने वादा किया था कि अमेरिकियों को 3 नवंबर के चुनाव से पहले टीके मिलेंगे।

ये हैं वो बातें जो ट्रंप अब तक कोरोना वायरस की वैक्सीन के बारे में कह चुके हैं-

'डॉक्टरों का कहना है मैं इम्यून हो चुका हूं'

कोरोनोवायरस महामारी पर अपना जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा- 22 लाख लोगों को मौत के लिए तैयार किया गया। फ्लोरिडा, टेक्सास के मामलों में उछाल देखा गया थे। ट्रंप ने कहा कि कोरोना वायरस अब धीरे-धीरे खत्म हो रहा है, ज्यादा से ज्यादा लोग ठीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे कोरोना हुआ था लेकिन अब ठीक हो गया हूं। डॉक्टरों का कहना है कि मैं इम्यून हूं

कुछ हफ्तों में आएगी वैक्सीन

कोरोना वायरस की वैक्सीन के बारे में बात करते हुए ट्रंप कहते हैं कि अमेरिकी प्रशासन वैक्सीन के लिए तैयार है और उन्होंने रोडमैप को तैयार करने के लिए भी कहा है। ट्रंप ने कहा, ÷हम हफ्तों में टीका लगवा देंगे। घोषणाएं होंगी। जॉनसन एंड जॉनसन एक अच्छा काम कर रहा है। फिर वैक्सीन के विकास की दिशा में काम करने वाली मॉडर्न, फाइजर और कई अन्य कंपनियां हैं।

सेना बांटेगी वैक्सीन

बहस के दौरान वैक्सीन के बारे में बात करते हुए ट्रंप ने कहा था कि एक बार मंजूरी मिलने के बाद सेना ही वैक्सीन के विरण का काम शुरू करेगी.

न्यूयॉर्क एक 'भूतिया शहर' बन चुका है-ट्रंप ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि उनका ध्यान अब फिर से देश को खोलने पर होगा, हम इस देश को बंद नहीं रख सकते। यह एक विशाल अर्थव्यवस्था है।

'लालटेन का जमाना गईल...

अब अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ रहा बिहार'

पटना। बिहार के चुनावी रण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उतर चुके हैं। सासाराम में पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना का मुकाबला करते हुए सारी सावधानी के साथ लोग लोकतंत्र के महापर्व का जश्न मना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विकास यात्रा में अहम योगदान देने वाले बिहार में आकर बेहद खुश हूं। बिहार के लोगों अपना संदेश सुना दिया है। बिहार के लोग कन्फ्यूजन में नहीं रहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के मतदाता इतने समझदार हैं कि वो भ्रम फैलाने वालों की बातों में नहीं आते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी पार्टी खास तौर से आरजेडी पर बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि बिहार के लोग भूल नहीं सकते वो दिन जब सूरज ढलने का मतलब होता था, सब कुछ बंद हो जाना, ठप्प पड़ जाना। आज बिजली है, सड़के हैं, लाइटें हैं और सबसे बड़ी बात वो माहौल है जिसमें राज्य का सामान्य नागरिक बिना डरे रह सकता है, जी सकता है। जिन लोगों ने सरकारी नियुक्तियों के लिए बिहार के नौजवानों से लाखों की रिश्वत खाई, वो फिर बढ़ते हुए बिहार को ललचाई नजरों से देख रहे हैं। आज बिहार में पीढ़ी भले बदल गई हो, लेकिन बिहार के नौजवानों को ये याद रखना है कि बिहार को इतनी मुश्किलों में डालने वाले कौन थे? पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत भोजपुरी से की, उन्होंने कहा कि ई भूमि के नमन करत तानी। भारत के सम्मान बा बिहार, भारत के स्वाभिमान बा बिहार, भारत के संस्कार बा बिहार, संपूर्ण क्रांति के शंखनाद बा बिहार, आत्मनिर्भर भारत के परचम बा बिहार। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग बड़े स्पष्ट होते हैं। मैं आपको बधाई देना चाहता हूं कि आपने चुनाव के इतने दिन पहले ही रूख स्पष्ट कर दिया है। जितने भी सर्वे आ रहे हैं सबमें यही बात है कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार आ रही है। सासाराम में पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के सपूत गलवान घाटी में तिरंगे के खातिर शहीद हो गए, लेकिन भारत मां का माथा नहीं झुकने दिया। पुलवामा हमले में भी बिहार के जवान शहीद हुए, मैं उनके चरणों मे शीश झुकाता हूं और उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के लोगों ने मन बना लिया है, ठान लिया है कि जिनका इतिहास बिहार को बीमारू बनाने का है, उन्हें आसपास भी नहीं फटकने देंगे। दुनिया के बड़े-बड़े अमीर देशों की हालत किसी से छिपी नहीं है। अगर बिहार में तेजी से काम न हुआ होता तो ये महामारी न जाने कितने साथियों की, हमारे परिवारजनों की जान ले लेती, कितना बड़ा हाहाकार मचता, इसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं बिहार के लोगों को इतनी बड़ी आपदा का डटकर मुकाबला करने के लिए बधाई देना चाहता हूं। कोरोना से बचने के लिए तेजी से जो फैसले लिए गए हैं। जिस तरह बिहार के लोगों ने काम किया, नीतीश कुमार सरकार ने, ह्ष्ठ सरकार ने काम किया उसके नतीजे आज दिख रहे हैं। पीएम मोदी ने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि साथियों हाल ही में बिहार ने अपने दो सपूतों को खोया है, जिन्होंने यहां के लोगों की दशकों तक सेवा की है। मेरे करीबी मित्र और गरीबों, दलितों के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले और आखिरी समय तक मेरे साथ रहने वाले राम विलास पासवान जी को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। बाबू रघुवंश प्रसाद सिंह जी ने भी गरीबों के उत्थान के लिए निरंतर काम किया। वो भी अब हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

पीएम मोदी की रैली को लेकर क्या बोले केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय-केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि बिहार चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पहली रैली को संबोधित करेंगे। वह बिहार आने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

पीएम मोदी की रैली को लेकर खास तैयारी

पीएम मोदी की रैली को लेकर प्रशासन ने खास तैयारी की है। प्रधानमंत्री सबसे पहले सुबह 11 बजे सासाराम में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे।एक बजे गया में उनकी चुनावी रैली होगी। इसके बाद तीसरी रैली भागलपुर में दिन में करीब 3 बजे होगी। इस रैली में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत एनडीए के अन्य दिग्गज नेता मौजूद रहेंगे। भागलपुर में रैली स्थल की सुरक्षा को लेकर चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है।

संसद की संयुक्त समिति ने फेसबुक और ट्विटर के अधिकारियों को तलब किया

नई दिल्ली। संसद की संयुक्त समिति ने डेटा एवं निजता की रक्षा के मुद्दे पर फेसबुक और ट्विटर को समन जारी कर अपने समक्ष पेश होने को कहा है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार फेसबुक इंडिया के प्रतिनिधियों से कहा गया है कि वे शुक्रवार को निजी डेटा संरक्षण विधेयक, 2019 पर भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी की अध्यक्षता वाली संयुक्त समिति के समक्ष पेश हों। वहीं, ट्विटर के अधिकारियों से 28 अक्टूबर को समिति के समक्ष पेश होने को कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि इसी मुद्दे पर अमेजन और गूगल के अधिकारियों को तलब करने पर भी संसद की संयुक्त समिति विचार कर रही है। सपर्क किए जाने पर लेखी ने कहा, जिसे भी तलब किए जाने की जरूरत होगी, चाहे वह कोई व्यक्ति हो या कंपनी, उसे डेटा और निजता के संरक्षण के मुद्दे पर समिति के समक्ष पेश होने को कहा जाएगा तथा समिति उनके सोशल मीडिया मंचों की कड़ी पड़ताल करेगी। उधर, भारत सरकार ने देश का गलत मानचित्र पेश करने और लेह की भौगोलिक स्थिति चीन में दिखाने को लेकर ट्विटर को सख्त चेतावनी दी है। सरकार ने कहा है कि देश की संप्रभुता और अखंडता का अनादर कतई स्वीकार्य नहीं है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव अजय साहनी ने इस बारे में ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जैक डोर्सी को कड़े शब्दों में एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने देश की संवेदनाओं का सम्मान करने को कहा है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में लेह स्थित युद्ध स्मारक हॉल ऑफ फेम से सीधा प्रसारण में लोकेशन के साथ ट्वीट में (जियोटैगिंग विशेषता) में इसे जम्मू कश्मीर, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का हिस्सा बता दिया गया था। इसके बाद ट्विटर को सोशल मीडिया का उपयोग करने वालों से तीखी प्रतिक्रिया और आलोचना का सामना करना पड़ा।

बिहार चुनाव में अब क्यों खुश नजर आ रही है कांग्रेस ?

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं की नाराजगी झेल चुकी कांग्रेस के चेहरे पर अब खुशी साफ झलक रही है। चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी उम्मीदवारों की सभाओं में जुटती भीड़ से कांग्रेस को एक बार फिर सत्ता में वापसी की उम्मीद जगी है। पर खुशी के साथ कांग्रेस के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। क्योंकि, कोरोना के इस दौर में सभाओं में जुटे मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाना आसान नहीं है। कांग्रेस बिहार में लंबे वक्त से सत्ता से बाहर है। प्रदेश कांग्रेस संगठन भी बहुत मजबूत नहीं है। ऐसे में पार्टी के लिए जनसभाओं में जुट रही भीड़ को वोट में तब्दील करना आसान नहीं होगा। कांग्रेस नेता मानते हैं कि राजद अपनी सीटों पर समर्थक वोट को मतदान केंद्र तक ले जाने में सफल रहेगा। क्योंकि, उसके पास जमीनी स्तर पर संगठन है और प्रचार के दौरान मिल रहे समर्थन से कार्यकर्ता उत्साहित है, पर कांग्रेस संगठन इतना मजबूत नहीं है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी ने कई बाहरी उम्मीदवारों को टिकट दिया है। इनका स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ कोई तालमेल नहीं है। इसके साथ पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जो टिकट दिए गए है, वह दूसरे जिलों में दिए गए हैं। इन क्षेत्रों में उनके पास कोई अपनी टीम नहीं है। ऐसे में महामारी के दौर में ज्यादा से ज्यादा मतदान कराना बड़ी चुनौती है। चुनाव का जिम्मा संभाल रही केंद्रीय टीम इस बारे में रणनीति तैयार कर रही है। बिहार प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता किशोर कुमार झा कहते हैं कि लोगों में राज्य सरकार के प्रति बहुत गुस्सा है। लोगों ने जेडीयू-भाजपा सरकार को विदा करने की तैयारी कर ली है। कोरोना के बावजूद लोग जब जनसभाओं में जुट रहे हैं, तो यह माने का कोई कारण नहीं है कि वह वोट करने नहीं जाएंगे। कई नेता मानते हैं कि इस बार वोट प्रतिशत कुछ कम रह सकता है। क्योंकि, कोरोना से बचने के उपायों के साथ मतदान करने में ज्यादा वक्त लगेगा।

मुंबई के शॉपिंग मॉल में भयानक आग, बचाव में लगे दो फायर कर्मी घायल

नई दिल्ली। मुंबई के नागपाड़ा इलाके में एक मॉल में रात आग लग गई थी। यहां अग्निशमन अभियान अब भी चल रहा है। इसे लेवल -5 फायर घोषित किया गया है। इसके दौरान दो फायर कर्मी घायल हो गए। इस मॉल में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकानें ज्यादा है। रात 9 बजे के करीब आग लगने के बाद 12 बजे के करीब नियंत्रण में कर ली गई थी लेकिन उसके कुछ देर बाद फिर से शुरु हो गई। आग की उठ रही बड़ी लपटों को देखते हुए बगल के रिहायशी टॉवर को खाली कराया गया और फायर ब्रिगेड को कॉल दिया गया है। बता दें कि इससे पहले सोमवार को मुंबई के एक निजी अस्पताल में आग लग गई जिसके बाद अस्पताल के अधिकारियों को 40 मरीजों को निकटवर्ती अस्पतालों में स्थानांतरित करना पड़ा। इसमें एक मरीज की मौत हो गई है जिसको दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि मुलुंड (पश्चिम) में एपेक्स अस्पताल में शाम पांच से छह बजे के बीच जेनरेटर के ज्यादा गर्म होने की वजह से उसमें आग लग गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ और दमकलकर्मियों ने 40 मरीजों को पांच निकटवर्ती अस्पतालों में पहुंचाया। उन्होंने बताया कि आग पर शाम करीब छह बजकर 15 मिनट पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि अस्पताल में बिजली की समस्या थी इसलिए मरीजों को निकटवर्ती अस्पताल में भेजा गया। शहर के अस्पतालों को कई घंटो तक जेनरेटर का सहारा लेना पड़ा क्योंकि सुबह 10 बजकर पांच मिनट पर शहर में बिजली की व्यापक समस्या खड़ी हो गई थी।

अब आपके घर से सामान लेकर स्टेशन तक पहुंचाएगा रेलवे

नई दिल्ली। रेलवे अब आप का सामान घर से लेकर आपके स्टेशन तक पहुंचाएगा। दीवाली से पहले रेलवे बैग्स ऑन व्हील्स सेवा (बीओडब्ल्यू एप) की शुरुआत करने वाला है। इस सेवा के अंतर्गत रेलवे से सामान भेजने के लिए आपको एप पर सिर्फ बुकिंग करनी होगी। बाकी आपके घर से सामान ले जाकर बोगी में चढ़ाने तक का काम रेलवे करेगा।

शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर के सात स्टेशनों पर यह सुविधा मिलेगी। उत्तर एवं उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चौधरी ने बताया कि यात्रियों के घर, ऑफिस आदि जगह से उसके कोच तक सामान लाने व पहुंचाने की यह सुगम व्यवस्था की गई है। एंड्रॉयड और आई फोन उपयोगकर्ता इस एप का उपयोग कर पाएंगे।

ऐसे काम करेगा

रेलयात्री अपने सामान को अपने घर से रेलवे स्टेशन तक लाने अथवा रेलवे स्टेशन से घर तक पहुंचाने के लिए एप पर आवेदन करेंगे। ठेकेदार एप पर प्राप्त विवरण के अनुसार यात्री का सामान सुरक्षित तरीके से लेकर कोच, घर तक लाने व पहुंचाने का काम करेगा। इसके उचित पैसे लिए जाएंगे।

इन्हें फायदा

वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग जनों और अकेले यात्रा कर रही महिला यात्रियों को इससे अधिक लाभ मिलेगा।

इन सात स्टेशनों पर सुविधा

नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली छावनी, दिल्ली सराय रोहिल्ला, गाजियाबाद और गुरुग्राम

घर बैठे पार्सल भेज सकेंगे

जल्द ही घर बैठे आप रेल से पार्सल भेज सकेंगे। पार्सल भेजने के लिए लोगों को स्टेशन या रेलवे कार्यालय तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बस आपको एक फोन करना होगा। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक जल्द ही इसके लिए एक नंबर जारी होगा। फोन पर बुकिंग के बाद घर से स्टेशन पर सामान पहुंचाने, पार्सल वैन में उसे चढ़ाने से लेकर गंतव्य तक पहुंचाने की पूरी जिम्मेदारी रेलवे की होगी। ग्राहक को सिर्फ वजन व दूरी के मुताबिक किराये का भुगतान करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हमारी संप्रभुता

सोशल मीडिया साइट्स की निगरानी दिन-प्रतिदिन आवश्यक होती जा रही है। एक संप्रभु देश की आजादी और उदारता के साथ ट्विटर ने जो खिलवाड़ किया, उसका जवाब कुछ देर से ही सही, भारत सरकार के आईटी सचिव ने दे दिया है। करीब तीन दिन पहले ही ट्विटर की कमी सामने आ गई थी और नागरिक स्तर पर ही काफी विरोध के बाद ट्विटर ने अपनी बड़ी खामी को तकनीकी कमी बताकर बचने की कोशिश की थी। भारत में लोकप्रिय हो चुकी एक सोशल साइट का ऐसा चलताऊ नजरिया भर्त्सना-लायक है। यह पहली बार नहीं है कि लेह-लद्दाख के क्षेत्र को ट्विटर न केवल जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बता रहा है, बल्कि जम्मू-कश्मीर को रिपब्लिक ऑफ चाइना में दिखा रहा है। इस मामले में ट्विटर की कोशिश अनजान बने रहने की लगती है, इसलिए नागरिकों की शिकायत की उसे ज्यादा परवाह नहीं है। भारत में लद्दाख आज केंद्र शासित प्रदेश है, जिसकी राजधानी लेह है। लद्दाख अब कतई जम्मू-कश्मीर का हिस्सा नहीं है। अव्वल तो ट्विटर ने अभी तक लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश नहीं माना है, इसके बावजूद यह कंपनी भारत में सेवाएं दे रही है? दूसरी बात, लेह को जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बताना और साथ ही चीन में बता देना तो देश की संप्रभुता के साथ खिलवाड़ है। अगर किसी एक कंपनी को हम अपने देश के नक्शे से खिलवाड़ करने देंगे, तो फिर अराजकता फैलने से कैसे रोकेंगे? क्या हमारी खुफिया या आईटी एजेंसियों को इस बात का एहसास नहीं है कि लेह-लद्दाख को चीन का हिस्सा कैसे दर्शाया जा सकता है? जो दावा साम्राज्यवादी चीन भी नहीं करता, उसे कोई कंपनी अपने ग्राहकों को कैसे दुस्साहस के साथ दिखा-बता सकती है? उस कंपनी में कौन लोग हैं, जिन्हें न भारत के भूगोल का ज्ञान है, न इतिहास का? संप्रभुता के साथ ऐसे खिलवाड़ को कतई हल्के में नहीं लेना चाहिए। नागरिकों को यह शिकायत का मौका नहीं मिलना चाहिए, यह देखना स्वयं सरकार का काम है कि कोई भी कंपनी अगर भारत में सेवा दे, तो वह भारतीय भूगोल, इतिहास और संविधान की पालना करे। यह सवाल बड़ा है कि क्या ट्विटर यही हिमाकत चीन में कर सकता है? क्या ऐसी हिमाकत अमेरिका में मुमकिन है? जब इन देशों के साथ खिलवाड़ संभव नहीं, तब भारत के साथ क्यों? विदेशी कंपनियों को भारत के बड़े बाजार का लाभ देते हुए भारत की उदारता का भी लाभ कतई नहीं देना चाहिए, जबकि ऐसा लगता है कि वे अधिकतम सीमा तक लाभ ले रही हैं। बेशक, विदेशी मूल की कंपनियां भारतीय गरिमा को लेकर बाद में जागेंगी, पहले भारतीय एजेंसियों को आंख-कान खुले रखने होंगे। ठीक इसी तरह की शिकायत कई बार अरुणाचल प्रदेश से भी आती है, जहां चीन निर्मित कुछ मोबाइल सेट और उसके कुछ ऐप भारत की बजाय चीन की सेवा के लिए उत्सुक नजर आते हैं। ऐसे मामलों को बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है। जो कंपनियां बहुत सफाई से तकनीकी खामी का बहाना बनाकर किसी और देश की चौधराहट को तुष्ट कर रही हैं, उन्हें बहुत साफ तौर पर कड़ा संदेश देना होगा। जब सूचना युद्ध चल रहा है, तब साइबर संसार में अपने क्षेत्र की रक्षा करना हमारा दायित्व है। साइबर संसार में अगर हम हार मान लेंगे, तो असली संसार में हमारे लिए मुसीबतें बढ़ती चली जाएंगी।

आज के ट्वीट

बाय बाय

सलमान खान का 'बिग बॉस 14' दर्शकों को इम्प्रेस करने में इस हफ्ते भी सफल नहीं हुआ, शो शुरू हुए तकरीबन 3 हफ्ते हो गए हैं हालांकि अब तक ये टॉप 5 में शामिल होने में नाकामयाब रहा है,मैने पहले ही कहा था इस बार'बिग बॉस' को बाय बाय।

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

महिला सम्मान की अंतहीन लड़ाई

मध्य प्रदेश में एक महिला नेता के लिए अप्रिय सम्बोधन की घटना क्या नयी है! क्या हमको मायावती, ममता बनर्जी, जयललिता या सोनिया गांधी के प्रति समय-समय पर की गई घटिया टिप्पणियां याद नहीं हैं? हमारे समाज में और विशेष रूप से राजनीतिक विमर्श में मर्दवादी सोच इतनी गहरी पैठी हुई है कि उस कथन को राहुल गांधी के अशालीन बताने के बावजूद कमलनाथ यही समझाने की कोशिश में लगे रहे कि उनका इरादा किसी का अपमान करने का नहीं था। क्या इसके पीछे संकीर्ण पुरुषवादी संस्कार ही कारण नहीं हैं? देश में कितनी महिलाएं हैं जो राजनीति के पुरुष एकाधिकार वाले अहाते में आने का साहस जुटा पाती हैं! और आने के बाद क्या हर दिन उनको यह याद नहीं दिलाया जाता कि वे पुरुष से हीनतर हैं, कि उनको मर्दों के बनाए कायदों पर ही चलना है, कि आज भी भरी सभा में अपमानित करने के लिए चीरहरण का हक़ पुरुषों के पास सुरक्षित है, उनको सार्वजनिक रूप से शूर्पणखा, जर्सी गाय, 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड कहकर भी स्वयं के 'सामाजिक शिष्ट' होने की डींग हांकी जा सकती है! इंटरनेट सम्वाद का नवीनतम माध्यम है, उसने परस्पर सम्पर्क की संभावनाओं का एक पूरा नया संसार रच दिया है, लेकिन स्त्रियों के तिरस्कार, अपमान और उनको निरस्त्र करने के लिए सबसे घटिया मानसिकता के साथ उसी का इस्तेमाल किया जा रहा है। और यह वहीं हो रहा है, जिसको हम सोशल मीडिया के नाम से जानते हैं और वह भी राजनीतिक हिसाब चुकाने। यहां तक कि इस मंच पर सियासी स्वार्थों के लिए भद्दी गालियों और बलात्कार की भाषा में सामाजिक मर्यादाओं को ध्वस्त होते देख सभ्य समाज रोज शर्म से सिर झुका लेता है। व्हाट्सएप पर ऐसे सैकड़ों ग्रुप सक्रिय हैं जो दिन-रात अपने राजनीतिक विरोधियों की चरित्र हत्या के लिए निम्न से निम्न स्तर की स्त्री विरोधी टिप्पणियां करने में हिचकते नहीं हैं। स्त्रियों के प्रति भद्दी और अश्लील भाषा, मनगढ़ंत कहानियां, फोटोशॉप किए हुए चित्र आदि सभी हथकंडे अपनाकर अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने का मकसद हासिल करने की कोशिश में रहते हैं लेकिन इस धूर्तता के कारण नाहक ही नारी के सम्मान और उनकी अस्मिता को सबसे ज्यादा चोट पहुंचती है। जब कोई नेता कहता है कि 'लड़के हैं गलती हो जाती है' तो स्त्री के बारे में उसकी दोयम सोच स्वतः प्रकट हो जाती है। जब एक बड़े संगठन का मुखिया कहता है 'स्त्रियों का कर्तव्य घर-पति की देखभाल है' तो उस संगठन का महिलाओं के प्रति क्या नजरिया होगा, बताने की जरूरत नहीं है। आसानी से समझा जा सकता है कि वह व्यक्ति स्त्रियों के साथ बराबरी का नहीं, शासित का बर्ताव चाहता है। यही वजह है कि 12 साल पहले महिलाओं को निर्वाचित सदनों में एक-तिहाई आरक्षण देने के लिए लाया गया प्रस्ताव बिना विचार किए ही लोकसभा में धूल फांक रहा है। इस नेक इरादे को अमल में लाने से रोकने वाले कोई और नहीं, समाजवादी विचारधारा के सूत्रधार लोहिया के कथित अनुयायी थे। दरअसल, हमारे समाज ने नारी के लिए दोधारी तलवार बनाई हुई है। एक तरफ की धार मर्दानगी की ठसक दिखाकर दमन और शोषण की जमीन तैयार करती है तो दूसरी भुजा दिखाकर बलात्कार की संस्कृति आगे बढाई जाती है। उन्नाव, हाथरस, शाहजहांपुर इसके ताजे उदाहरण हैं। यहां तक कि धर्म भी स्त्री के प्रति संवेदनशील नहीं है। हर धर्म में नारी के प्रति छिपे तौर पर भेदभाव मौजूद है। सबरीमाला मंदिर में युवा महिलाओं के प्रवेश के मामले पर पुजारियों का हठ बना हुआ है। इसी तरह मस्जिदों में स्त्री के नमाज़ पढ़ने पर पाबंदी आम है। भारत में नारी अपनी पसंद के वर से विवाह तक नहीं कर सकती, न धर्म इसकी इजाजत देता है और न जाति। समाज के ठेकेदार ऐसा करने वाली युवती की हत्या करने का गुनाह तक कर डालते हैं। यहां तक कि न्याय व्यवस्था में भी कुछ ऐसे रूढ़िवादी बैठे हैं जो आंसुओं से मोरनी के गर्भवती होने की बेहूदी और अवैज्ञानिक धारणा फैलाने में भी शर्मिंदा नहीं होते, न संकोच करते हैं! और समाज के लिए निर्भया या हाथरस की घटना के सबक क्या हैं? हाथरस में एक दलित, शोषित समाज की युवती को पुरुष का पैशाचिक अहंकार दिखाने के लिए ही तो अत्याचार-अनाचार का शिकार बनाया गया। यहां तक कि उसको जीते जी इलाज नसीब नहीं हुआ और मर गई तो न कफ़न मिला और न चिता! विचारणीय प्रश्न है कि समाज और सरकार, दोनों का दायित्व बोध और चेतना ऐसे समय कहां शून्य में गुम हो गई? 2018 में थॉमस रायटर्स विश्व संस्था ने सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर भारत को स्त्रियों के लिए विश्व का सबसे असुरक्षित देश करार दिया था। हालांकि सरकार ने कुछ तर्कों के साथ इस रिपोर्ट को मानने से इनकार कर दिया, लेकिन उसी सरकार के 2018 के आंकड़े यह भी बताते हैं कि देश में हर 15 मिनट में एक बलात्कार की घटना होती है। यह तो तब है जब लोकलाज आदि कारणों से पुलिस तक दुष्कर्म की आधी भी शिकायतें दर्ज नहीं कराई जाती हैं। और ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि 2018 में एक साल पहले के मुकाबले ऐसी वारदातों में 0.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़े बताते हैं कि मानव सभ्यता की 21वीं सदी के भारत में 70 प्रतिशत महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं। यह हिंसा शारीरिक, मानसिक, आर्थिक या यौनिक कोई भी हो सकती है। बच्चों में संस्कारों की नींव यहीं से पड़ती है। यह पुरुषवादी बर्ताव स्वतः बच्चे के अवचेतन का हिस्सा बन जाता है। परिवार के बाद सामाजिक हालात पर भी ध्यान दिया जाए। महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा की स्थिति तो और भी भयावह है। महिलाओं को अपने सम्मान और अधिकारों के लिए रामायण और महाभारत के समय से ही लड़ाई लड़नी पड़ रही है। स्त्री के सम्मान का प्रश्न न होता तो महाभारत न हुआ होता! और पूरा इतिहास नारी के संघर्ष की गाथाओं से भरा पड़ा है। रास्ता अभी बहुत लम्बा है और बिना रुके, बिना थके चलते जाना है। मंजिल दूर है लेकिन ओझल नहीं है। वह जरूर मिलेगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

नम्रता

जग्गी वासुदेव/ जब आप कहते हैं कि आप आध्यात्मिक रास्ते पर हैं तो इसका मतलब है कि आप सत्य की खोज कर रहे हैं। पर आप किस तरह का सत्य पाना चाहते हैं? साधारण रूप से, अधिकतर लोग-चाहे वे मंदिर जाते हों या चर्च या मस्जिद या आश्रम- कुछ ऐसा पाना चाहते हैं जो उन्हें कुछ दे, उनकी मांगें पूरी हों, कुछ जो उनका फायदा कराए। पर जो वास्तव में, सही में सत्य की खोज कर रहा है, उसके लिए सत्य कुछ देता नहीं है। वो तो सब कुछ हड़प लेता है। सत्य उस होशियार इंसान के लिए नहीं है जो इस दुनिया में 'कुछ' बनना चाहता है। हर कोई कुछ न कुछ जीतना चाहता है। सिर्फ कोई बेवकूफ ही 'कुछ नहीं' बनना चाहेगा। मूर्ख ही समर्पण करना और हार जाना चाहेगा! उन मूखरे की लंबी परंपरा है जो समर्पण करना चाहते हैं, जो 'कुछ नहीं' होना चाहते, जो गर्वीले मनुष्य की तरह नहीं, बस मिट्टी की तरह, जमीन की तरह रहना चाहते हैं। शिव ने देखा कि ये मूर्ख दुनिया में कुछ नहीं कर पाएंगे, तो उन्होंने उन्हें गले लगा लिया। चतुरता नहीं, बल्कि अपनी सरलता की वजह से उन लोगों ने कृपा पा ली। आप होशियार और ताकतवर हैं तो आपके लिए दुनिया के दरवाजे खुल सकते हैं, या लोग करुणावश आपके लिए दरवाजे खोल सकते हैं। पर ऐसे लोगों की पूरी परंपरा है जिन्हें रेंग कर भी पार जाने में कोई शर्म नहीं। ये बेशर्म लोग हैं-उन्हें कोई शर्म नहीं, न ईर्ष्या, न गुस्सा आता है, कुछ भी नहीं। अहंकार या गर्व भी नहीं होता। ये वो लोग हैं जो मुक्ति पा लेते हैं। भारतीय संस्कृति में बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि आप मंदिर में जाएं। हर कोई, वो चाहे जहां हो, एक पल में, किसी भी चीज को भगवान बना सकता है। यह अद्भुत तकनीक है, निर्माण करने की जबरदस्त कुशलता है। पत्थर के टुकड़े को भी भगवान बनाया जा सकता है और आप देखेंगे कि कल सुबह हजारों लोग उसकी पूजा कर रहे होंगे। पत्थर के टुकड़े के सामने भी झुक जाने की इनकी इच्छा गजब की है। किसी के सामने झुक जाने के लिए तैयार रहना इनके लिए इतना आसान है, पर साथ ही यह शक्तिशाली साधन रहा है। कोई पेड़, फूल, पत्थर, लकड़ी-कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो क्या है-लोग उसके आगे परम श्रद्धा से झुकने के लिए तैयार रहते हैं। इस सरल सी तैयारी ने भारत में भौतिकता के पार जाने वाले सबसे ज्यादा लोग तैयार किए।

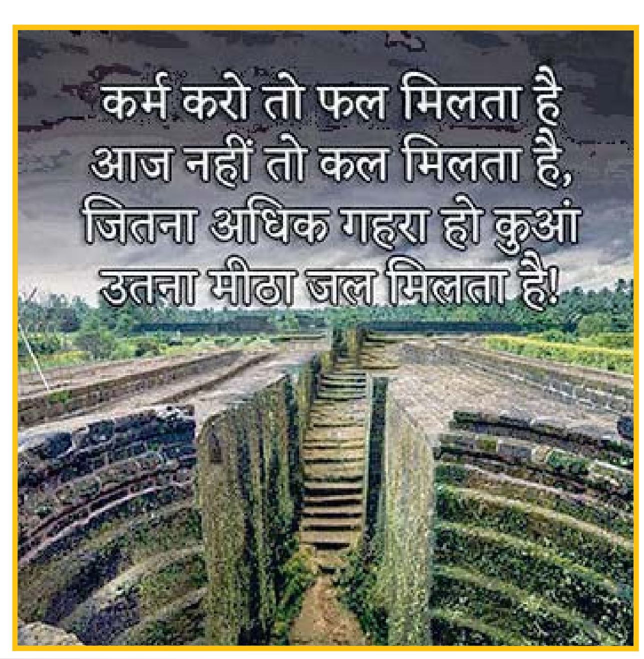

आज का राशिफल

मेष	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।
वृषभ	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
मिथुन	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।
कर्क	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।
सिंह	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।
तुला	आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
वृश्चिक	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
धनु	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कुम्भ	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।
मीन	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

ऑटो ड्राइवर का संकल्प कि कोई भूखा न सोये

कोई साधन-संपन्न व्यक्ति जरूरतमंदों को खाना बांटे तो समझ में आता है, मगर एक ऑटो ड्राइवर जब हजारों जरूरतमंदों को नियमित खाना खिलाये तो बहुत बड़ी बात है। एक ऑटो चालक ने लॉकडाउन के मुश्किल दिनों में हर सप्ताह पंद्रह हजार से ज्यादा लोगों को खाना खिलाया। यह क्रम टूटा नहीं है, अब भी वह हर रविवार को हजार-बारह सौ लोगों को खाना बांटता है। अनाथालयों व वृद्धाश्रमों तक भी खाना पहुंचाता है। उसने यह मुहिम अकेले शुरू की, फिर पत्नी और बच्चे जुटे। अब एक स्वयंसेवी संगठन के रूप में उसके साथ एक कार्यकुशल टीम भी है। सचमुच ऐसी ही निस्वार्थ सेवा करने वालों से समाज में इनसानियत पर भरोसा कायम है। कोयम्बटूर के बी. मुरुगन के जीवन की कहानी तमाम झंझावातों से गुजरकर इस मुकाम तक पहुंची है। एक वक्त था कि वह जीवन की असफलता से निराश होकर आत्महत्या तक करने चला था, लेकिन जब उसने दुनिया में दुखियों-पीड़ितों को देखा तो अहसास हुआ कि लोग कितनी मुश्किलों में भी जीना चाहते हैं। उसे जीवन के महत्व का अहसास हुआ और संकल्प लिया कि वह अपना जीवन लोगों के उत्थान के लिये समर्पित करेगा। दरअसल, वर्ष 1992 में उन्होंने हाई स्कूल की परीक्षा दी और पूरे प्रयास करने के बावजूद वह सफल नहीं हो सके। इस असफलता से वे इतने हताश हुए कि उन्हें जीवन व्यर्थ नजर आया। चेन्नई स्थित घर से वे तीन सौ रुपये लेकर भाग गये। जिस बस में मुरुगन बैठे थे वह उन्हें चेन्नई से पांच सौ किलोमीटर दूर कोयम्बटूर के सिरुमुगई ले गयी। मुरुगन रात दो बजे सिरुमुगई पहुंचे और सड़क के किनारे फुटपाथ पर बैठ गये। हताशा इतनी गहरी थी कि आत्महत्या करने का मन बना लिया। लेकिन उन्होंने बस स्टैंड के आसपास तमाम भिखारियों, गरीबों और विकलांग लोगों को उत्साह से जीवन के लिये संघर्ष करते देखा। उस रात एक बुजुर्ग मोची ने मुरुगन को अपने घर में आश्रय दिया। मुरुगन ने उस रात फुटपाथ पर सोये विडंबनाओं से जूझते लोगों को देखा और जीवन के महत्व को समझा। फुटपाथ पर लोगों के दुख-दर्द और गरीबी को देखकर मुरुगन के मन में विचार आया कि आत्महत्या का विचार कायरता है। मैं यह अमूल्य जीवन इन बेसहारा लोगों की मदद के लिये लगा दूंगा। पूरे जीवन मुरुगन उस मोची को नहीं भूले, जिसने उस रात अपने घर में ठहरने के लिये जगह देकर आत्महत्या के विचार को सदा के लिये दफन कर दिया था। सही मायनो में यह मुरुगन का नया जीवन शुरू होने जैसा था। इस बीच सिरुमुगई बस स्टॉप की एक घटना को मुरुगन नहीं भूलते जब सब भिखारियों ने भीख में मिले पैसे एकत्र करके मुरुगन को यह कहकर दिये कि वह अपने घर चेन्नई जाने के लिये टिकट खरीद ले। मगर तब तक मुरुगन नया जीवन जीने का मन बना चुके थे। उन्होंने उन भिखारियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि नहीं, अब वे उनके साथ रहेंगे और समाज के लिय कुछ करेंगे। इसके बाद मुरुगन ने काम की तलाश की। उसे एक होटल में खाना परोसने का काम मिला, जिसके बदले उसे तीन टाइम का खाना मिल पाता था। उसने फिर कई मुश्किल काम बदले। सुबह अखबार भी बांटे। वर्ष 2006 में उसे काम देने वाली कंपनी भी बंद हो गई। कामधंधा बंद होने के बाद उन्होंने ड्राइविंग लाइसेंस के लिये आवेदन किया और ऑटो चलाना शुरू किया। अपने खर्च के बाद जो पैसा बचता, उसे बेघरों को खाना खिलाने में खर्च करते। उसे तब तकरीबन तीन हजार रुपये महीने मिलते थे, जिसमें से वह कुछ पैसा अनाज, सब्जी और अन्य सामान खरीदने के लिये रखते। एक स्कूल के परिसर में खाना बनाकर बेघर लोगों को बांटते। फिर कुछ दोस्त और नेकदिल इनसान भी साथ जुटे। वे भी हर सप्ताह सौ-सौ रुपये मिलाते। वर्ष 2008 में मुरुगन ने एक संस्था बेघरों के कल्याण के लिये बनायी 'निजल मैयम', जिसका हिंदी में अर्थ होता है-'बेघरों के लिये छाया।' फिर बी. मुरुगन ने सेवा के साथ अपनी गृहस्थी भी बसायी। अब पत्नी ऊषा और बेटा-बेटी भी इस काम में मदद करते हैं। शनिवार से ही वे खाने की तैयारी करते हैं और रविवार को हजार-बारह सौ लोगों को खाना हर सप्ताह खिलाते हैं लेकिन मुश्किलों का सिलसिला अभी भी जारी है। इतने लोगों का खाना बनाने से मकान मालिक को भी परेशानी होने लगी और जिसकी वजह से उन्होंने अब तक नौ घर बदले हैं लेकिन मुरुगन अपने काम से खुश हैं। पत्नी व बच्चे खाना बांटने व बनाने में मदद करते हैं। धीरे-धीरे सेवा का कारवां बढ़ता गया, उनके संगठन में आज पचास समर्पित कार्यकर्ता हैं। कई परोपकारी लोग उनके इस मिशन के लिये नियमित आर्थिक सहायता देते हैं। अकेले चले मुरुगन के साथ सेवा करने वालों का कारवां जुड़ता चला गया। हर सप्ताह निर्धन, बेसहारा और बेघर लोगों को खाना खिलाने में बीस हजार का खर्च आता है। कुछ लोग भी मदद करते हैं। घर चलाने और बच्चों की फीस के बाद जो पैसा बचता, उसे मुरुगन बेघरों को खाना खिलाने में लगा देते। उनका बेटा दसवीं में पढ़ता है और बेटी सातवीं में। पैसा जुटाने के लिये मुरुगन ने स्क्रीन प्रिंटिग और कपड़े के थैले बनाने का काम भी शुरू किया है ताकि सेवा का मिशन रुके नहीं।

लॉकडाउन के दौरान बेघरों को खाना खिलाने का काम बहुत बढ़ गया था। सप्ताह में करीब पंद्रह हजार लोग तक सांबर-चावल खाने आते थे। यहां तक कि इस काम को निर्बाध रूप से चलाने के लिये मुरुगन ने अपनी पत्नी के गहने तक बेचे, लेकिन मुरुगन और उनका संगठन उत्साह से जुटा रहा। उन्हें सेवा कार्य के लिये कई बार सम्मानित भी किया गया लेकिन उनका एक ही संकल्प है कि कोई भूखा न सोये।

एयरटेल अफ्रीका का शुद्ध लाभ 37 प्रतिशत गिरा

नयी दिल्ली. भारती एयरटेल के अफ्रीकी परिचालन 'एयरटेल अफ्रीका' का शुद्ध लाभ जुलाई-सितंबर तिमाही में 36.6 प्रतिशत घटकर 14.5 करोड़ डॉलर (1,066 करोड़ रुपये) रहा। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 22.8 करोड़ डॉलर रहा था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि समीक्षावधि में हालांकि, कंपनी का परिचालन लाभ 19.5 प्रतिशत बढ़कर 47.2 करोड़ डॉलर रहा। इस दौरान कंपनी की आय 10.7 प्रतिशत बढ़कर 181.5 करोड़ डॉलर रही। पिछले साल इसी अवधि में यह 164 करोड़ डॉलर थी। एयरटेल अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रघुनाथ मंडावा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कोविड-19 का प्रभाव और लॉकडाउन की अवधि शामिल है। लेकिन सबसे अहम बात यह है कि हमारे कारोबार की बुनियाद मजबूत बनी हुई है। वहीं राजस्व वृद्धि ने हमें अपनी रणनीति पर आगे बढ़ने में मदद की है।

2024 तक 55 अरब डॉलर का हो जाएगा मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग

नई दिल्ली। भारतीय मनोरंजन और मीडिया उद्योग 2024 तक सलाना 10.1 फीसदी की दर से बढ़ सकता है। प्राइसवाटरहाउस कूपर्स (PwC) द्वारा तयार की गई रिपोर्ट में बताया गया कि यह उद्योग 2024 तक 55 अरब डॉलर तक हो जाएगा।

ओटीटी वीडियो में वद्धि

उम्मीद है कि भारत में ओटीटी वीडियो में सबसे ज्यादा वद्धि होगी और 2024 तक इसके 5.2 फीसदी तक पहुंच सकता है। इंटरनेट एडवरटाइजमेंट में भारी वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत एडमिशन के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना रहेगा। यह भी कहा कि विश्व स्तर पर, डिजिटल राजस्व का 2020 तक कुल मनोरंजन और मीडिया राजस्व में 60 फीसदी का योगदान होने की उम्मीद थी।

डिजिटल व्यवधान की ओर रुख

कोविड-19 महामारी के दौरान उपभोक्ताओं का सुझान डिजिटल व्यवधान की ओर बढ़ा है। पीडब्ल्यूसी इंडिया मनोरंजन और मीडिया के पार्टनर और लीडर राजीव बासु ने बताया कि, 'हमारे शोध से पता चलता है कि शुद्ध उपभोक्ता राजस्व के मामले में भारत दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ता मनोरंजन और मीडिया बाजार है।' साथ ही **PwC** आउटलुक ने यह भी कहा कि कंपनियों को डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर रिलेशन बनाना चाहिए, प्रतिस्पर्धा के लिए पर्याप्त स्केल की पेशकश करनी चाहिए और सही तकनीकों का उपयोग करके अधिक से अधिक मूल्य अनलॉक करना चाहिए।

2024 में भारत छठा सबसे बड़ा बाजार

कोविड-19 महामारी के बाद ओटीटी वीडियो सेगमेंट में दुनिया के किसी भी बाजार में भारत सबसे अधिक क्षमता रखता है। भारत की विकास दर जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के कुल ओटीटी वीडियो राजस्व के पार जा सकती है। साल 2024 में यह छठा सबसे बड़ा बाजार बन सकता है।

फेसबुक डेटिंग एप के जरिए यूरोप में कर सकेंगे

सैन फ्रांसिस्को। फेसबुक ने वर्चुअल डेट्स नाम के एक नए फीचर के साथ यूरोप में अपने डेटिंग एप का विस्तार किया है। कंपनी के अनुसार, पिछले सितंबर में फेसबुक डेटिंग शुरू करने के बाद से अब तक 20 देशों में 1.5 अरब से अधिक जोड़ियां बनाई गई हैं। फेसबुक डेटिंग एप मुख्य एप के भीतर एक समर्पित, ऑप्ट-इन स्पेस है और इसके जरिए लोग कुछ ही टैप का उपयोग करके प्रोफाइल बना सकते हैं। यह सीक्रेट क्रश फीचर आपको उन लोगों के साथ संभावित संबंधों का पता लगाने का मौका देता है, जिन्हें आप पहले से ही फेसबुक और इंस्टाग्राम पर जानते हैं। फेसबुक डेटिंग एप के प्रोडक्ट मैनेजर केट ऑर्सेथ ने बुधवार को अपने बयान में कहा, 'फेसबुक डेटिंग ऐप आपके फेसबुक दोस्तों को संभावित मैचों के रूप में सुझाव नहीं देगा, लेकिन अगर आप सीक्रेट क्रश का उपयोग करने का विकल्प चुनते हैं, तो आप अपने फेसबुक दोस्तों या इंस्टाग्राम फॉलोअर्स में से 9 लोगों को चुन सकते हैं, जिनमें आपको रुचि है। यदि आपका क्रश भी आपको अपनी सीक्रेट क्रश सूची में जोड़ता है, तो यह एक मैच है। लेकिन यदि आपका क्रश डेटिंग पर नहीं है, तो आप एक सीक्रेट क्रश सूची नहीं बना सकते हैं या आप उनको उस सूची में नहीं डाल पाएंगे। जाहिर है, इससे आपके क्रश को पता नहीं चलेगा कि आपने उनका नाम इस सूची में दर्ज किया है। उन्होंने आगे कहा, 'इस दौरान डेटिंग स्टोरीज से आप अपने रोजमर्रा के जीवन के क्षणों को साझा कर सकते हैं ताकि आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ एक सार्थक संबंध जोड़ सकें, जिसकी आप में रुचि हो। फेसबुक ने यह भी कहा है कि वह वर्चुअल डेट्स नाम से एक फीचर ला रहा है, जहां लोग चैट में वीडियो आइकन पर टैप करके अपने मैच के साथ वीडियो चैट शुरू कर सकते हैं।

बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 127 अंक मजबूत; वाहन, बिजली कंपनियों के शेयर चमके

मुंबई, घरेलू शेयर बाजारों में एक दिन की गिरावट के बाद शुक्रवार को फिर तेजी लौट आई और बीएसई सेंसेक्स 127 अंक बढ़कर बंद हुआ। मुख्य रूप से वाहन, धातु और बिजली क्षेत्र के शेयरों की अगुवाई में बाजार में मजबूती रही। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 127.01 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,685.50 अंक पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 33.90 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 11,930.35 अंक पर बंद हुआ। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 702.52 अंक यानी 1.75 प्रतिशत जबकि निफ्टी 167.90 अंक यानी 1.42 प्रतिशत मजबूत हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में मारुति सुजुकी रही। इसमें करीब 4 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, पावरग्रिड, बजाज ऑटो और एनटीपीसी शामिल हैं। दूसरी तरफ जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, एचयूएल और बजाज फिनसर्व शामिल हैं। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्र ने कहा, ''...बाजार मामूली तेजी के साथ बंद हुआ। विभिन्न क्षेत्रों को देखा जाए तो मिला-जुला रुख देखने को मिला। वाहन, उपभोक्ता टिकाऊ और पूंजीगत वस्तुओं के क्षेत्र में लिवाली देखी गयी जबकि रीयल्टी, आईटी और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में नरमी रही।'' उन्होंने कहा कि सबकी नजरें प्रोत्साहन पैकेज और राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर अमेरिकी बाजार पर हैं। इसके अलावा यूरोप में कोविड-19 के बढ़ते मामले भी निवेशकों की नजर में हैं। वैश्विक स्तर पर एशिया के अन्य बाजारों में चीन में हांगकांग, जापान का तोक्यो और दक्षिण कोरिया का सोल 0.54 प्रतिशत तक की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं, चीन में शंघाई बाजार नुकसान में रहा। शुरूआती कारोबार में यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी तेजी रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 42.62 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

आईडीबीआई बैंक को दूसरी तिमाही में 324 करोड़ रुपये का लाभ

नयी दिल्ली, आईडीबीआई बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में 324 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में बैंक को 3,459 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। बैंक ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। वहीं तिमाही आधार पर बैंक के शुद्ध लाभ में जुलाई-सितंबर में 125 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। इससे पहले अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 144 करोड़ रुपये था। विज्ञप्ति के मुताबिक समीक्षावधि में बैंक की कुल आय 7.5 प्रतिशत घटकर 5,761.06 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में बैंक की आय 6,231.02 करोड़ रुपये थी। बैंक की ब्याज से शुद्ध आय आलोच्य तिमाही में चार प्रतिशत बढ़कर 1,695 करोड़ रुपये रही। भारतीय जीवन बीमा निगम की बहुलांश हिस्सेदारी वाले आईडीबीआई बैंक के फंसे कर्ज का अनुपात भी सुधरा है। समीक्षावधि में बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) उसके सकल ऋण का 25.08 प्रतिशत रही। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 29.43 प्रतिशत थी।

कार निर्माता रेनो इंडिया ने अपने वितरण नेटवर्क को मजबूत किया

चेन्नई। कार निर्माता रेनो इंडिया ने गुरुवार को कहा कि बीते दो महीने में कंपनी ने अपने वितरण नेटवर्क को 34 टचप्वाइंट्स तक बढ़ा लिया है। कंपनी ने एक बयान में कहा, इस विस्तार के साथ, एक वर्ष से भी कम समय में कंपनी ने अपने नए सेल्स और सर्विस टचप्वाइंट्स को 90 से ज्यादा तक बढ़ा लिया है। रेनो इंडिया ने कहा कि पूरे देश में उसके 425 सेल्स और 475 से ज्यादा सर्विस टचप्वाइंट हैं, जिसमें 200 वर्कशॉप भी शामिल है। कंपनी ने कहा कि उसने बीते महीने 8,805 यूनिट्स बेचे और उसका मार्केट शेयर 2019 के 2.5 प्रतिशत से बढ़कर 3.2 प्रतिशत हो गया है। रेनो इंडिया ने कहा कि यह देखा जा रहा है ग्रामीण बाजार में मांग बढ़ रही है। कंपनी के सेल्स और नेटवर्क के प्रमुख सुधीर मल्होत्रा ने कहा, ÷हम इस समय न केवल नए खरीदारों को आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि हमारे मौजूदा पार्टनर्स से हम विस्तार करने और ज्यादा निवेश का आग्रह प्राप्त कर रहे हैं।÷

दिवाली पर कितना मिलेगा सरकारी कर्मचारियों को बोनस, सरकार ने बताया गणित

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए गैर-उत्पादकता सें संबंधित बोनस (तदर्थ बोनस) की गणना के लिये 7,000 रुपये की सीमा तय की है। बोनस गणना की इस सीमा के साथ कर्मचारी अधिकतम 6,908 रुपये का बोनस पाने का पात्र होगा। व्यय विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, 'गैर उत्पादकता आधारित बोनस मात्रा परिलब्धियों/गणना की सीमा जो भी कम होगा, उसके हिसाब से तय होगा।' एक उदाहरण देते हुए बताया गया कि 7,000 रुपये की मासिक परिलब्धियों की मासिक गणना के हिसाब से 30 दिन का गैर- उत्पादकता आधारित बोनस 6,908 रुपये होगा। व्यय विभाग की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि भारत के राष्ट्रपति ने समूह सी और समूह बी में सभी गैर-राजपत्रित कर्मचारियों को, जो उत्पादकता से जुड़े बोनस योजना के तहत नहीं आते हैं, को लेखा वर्ष 2019-20 के लिए 30 दिन की परिलब्धियों के बराबर गैर-उत्पादकता आधारित बोनस (तदर्थ-बोनस) देने की अनुमति दी है। व्यय विभाग ने साफ किया कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और सशस्त्र बलों के कर्मचारियों को भी यह तदर्थ बोनस दिया जाएगा। केवल वही कर्मचारियों इस तदर्थ बोनस को पाने के लिए पात्र होंगे जो 31 मार्च, 2020 तक सेवा में थे और जिन्होंने वर्ष 2019-20 के दौरान कम से कम 6 माह तक निरंतर सेवा प्रदान की है। बता कें कि बुधवार को केंद्र सरकार ने 30.67 लाख सरकारी कर्मचारियों को 3737 करोड़ रुपए का बोनस देने को मंजूरी दी थी। बता दें कि केंद्र सरकार ने त्योहारी सीजन के दौरान खर्च को बढ़ावा देने और अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया है। 30 लाख कर्मचारियों में भारतीय रेल, डाक, रक्षा, ईपीएफओ और ईएसआईसी समेत अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के 16.97 लाख नॉन-गैजेटेड (गैर-राजपत्रित) कर्मचारी शामिल हैं. इन्‍हें भी सरकार बोनस दे रही है। वहीं, केंद्र सरकार के 13.70 लाख कर्मचारियों को बोनस दिया जाएगा. इससे सरकार पर 946 करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ आएगा।

अमेजन का संसदीय समिति के सामने पेश होने से इनकार, सरकार लेगी एक्शन!

नई दिल्ली: ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने डाटा सुरक्षा विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति के सामने पेश होने से इनकार कर दिया है जिसे भाजपा सांसद एवं समिति की अध्यक्ष मीनाक्षी लेखी ने विशेषाधिकार हनन के समान करार दिया है। समिति ने अमेजन के प्रतिनिधियों से 28 अक्टूबर को पेश होने को कहा था। लेखी ने शुक्रवार को कहा कि 'समिति की सर्वसम्मत राय है कि ई-कॉमर्स कंपनी के खिलाफ सरकार को दंडात्मक कार्रवाई के लिए सुझाव दिया जा सकता है।' उन्होंने कहा, 'अमेजन ने 28 अक्टूबर को समिति के सामने पेश होने से इनकार कर दिया है और यदि ई-कॉमर्स कंपनी की ओर से कोई पेश नहीं हुआ तो यह विशेषाधिकार उल्लंघन के समान होगा।' बहरहाल, फेसबुक की पब्लिक पॉलिसी प्रमुख अंखी दास डाटा सुरक्षा के मुद्दे पर शुक्रवार को समिति के सामने पेश हुईं। सूत्रों ने बताया कि समिति के सदस्यों ने फेसबुक इंडिया के प्रतिनिधियों से कई तरह के सवाल पूछे। बैठक के दौरान एक सदस्य ने कहा कि सोशल मीडिया कंपनी को अपने विज्ञापनदाताओं के वाणिज्यिक फायदे के लिए अपने उपभोक्ताओं के डाटा में सेंध नहीं लगाने देनी चाहिए। समिति ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर के अधिकारियों को 28 अक्टूबर को और गूगल तथा पेटीएम के प्रतिनिधियों को 29 अक्टूबर को तलब किया है ।

आईएमएफ की चेतावनी, पाक-बांग्लादेश से भी ज्यादा कर्ज में डूब सकता है भारत

बिजनेस डेस्क:

जीडीपी के मुकाबले भारत का कुल सरकारी कर्ज 90 फीसदी के बराबर हो सकता है। इंटरनेशनल मोनेटरी फंड वर्ल्ड इकनॉमिक आउटलुक के मुताबिक 2020 में जीडीपी के मुकाबले भारत का कुल कर्ज 89.3 फीसदी हो सकता है। इससे पहले 2003 में भारत पर कर्ज जीडीपी के मुकाबले 84.2 फीसदी था। यह पहला मौका है, जब भारत पर कर्ज जीडीपी के मुकाबले इतना अधिक होगा। 5 साल पहले 2015 में भारत का कर्ज जीडीपी के मुकाबले 68.8 फीसदी था, जबकि 2019 में यह आंकड़ा 72.3 फीसदी ही था। साफ है कि कोरोना संकट में सरकार की आय में बड़ी गिरावट आने और तमाम योजनाओं के लिए कर्ज लेकर खर्च करने के चलते यह स्थिति पैदा हुई है।

इसके चलते भारत ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे देशों के बाद उभरते देशों में सबसे ज्यादा कर्ज वाला देश होगा। दक्षिण एशिया की ही बात करें तो भूटान और श्रीलंका के बाद भारत पर जीडीपी की तुलना में सबसे ज्यादा कर्ज है। यही नहीं बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल जैसे पड़ोसी देश भी भारत की तुलना में ज्यादा अच्छी स्थिति में हैं।

तष्ठक्क के मामले में बांग्लादेश से पिछड़ सकता है भारत

बता दें कि हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपने एक अनुमान में कहा था कि भारत प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में 2020 में बांग्लादेश से भी पिछड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान के मुताबिक बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2020 में 4 फीसदी की दर से बढ़ते हुए 1,888 डॉलर के लेवल पर पहुंच सकती है। वहीं भारत में प्रति व्यक्ति जीडीपी 10.5 फीसदी की गिरावट के साथ .1,877 तक गिर सकती है।

आंकड़ों के मुताबिक दक्षिण एशिया में द्विपीय देश श्रीलंका के बाद भारत की अर्थव्यवस्था कोरोना संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित होगी, जिसकी प्रति व्यक्ति जीडीपी चालू कैलेंडर वर्ष में 4 प्रतिशत गिरेगी। इसकी तुलना में नेपाल और भूटान की अर्थव्यवस्था इस साल बढ़ने की संभावना है, जबकि आईएमएफ ने पाकिस्तान के आंकड़े नहीं दिए हैं।

भारत की तेज रिकवरी का अनुमान

हालांकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अगले साल भारत की तेज रिकवरी का अनुमान लगाया है, जिसकी वजह से 2021 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी फिर बांग्लादेश से मामूली अंतर से आगे निकल जाएगी।

2021 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी डॉलर के हिसाब से 8.2 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है, जबकि बांग्लादेश की 5.4 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। 2021 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,030 डॉलर होगी।

एसबीआई ग्राहकों के लिए दिल्ली मेट्रो में सफर करना हुआ आसान, मिल रही ये सुविधा

नई दिल्ली।

एसबीआई कार्ड ग्राहकों को दिल्ली मेट्रो में अब सफर करना और भी आसान हो जाएगा। दरअसल, एसबीआई कार्ड ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के साथ मिलकर शुक्रवार को बहुउद्देशीय कार्ड पेश किया है। यह संपर्क रहित तरीके से चलने वाला कार्ड है जो क्रेडिट कार्ड के साथ-साथ मेट्रो स्मार्ट कार्ड की सुविधा भी देता है। एसबीआई कार्ड ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 'दिल्ली मेट्रो एसबीआई कार्ड' को दिल्ली मेट्रो से रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

कार्ड का वार्षिक शुल्क 499 रुपये

कंपनी ने कहा कि यह एक बहु-उद्देशीय कार्ड है जो क्रेडिट कार्ड और मेट्रो के स्मार्ट कार्ड की तरह उपयोग किया जा सकता है। कार्ड को एनएफसी प्रौद्योगिकी पर विकसित किया गया है जिसके चलते यह बिना किसी सतह को छुए या सपर्क में आए बगैर काम करने में सक्षम है। इस कार्ड का वार्षिक शुल्क 499 रुपये है और इसके साथ कंपनी ने कई विशेष ऑफर की भी पेशकश की है।इसके अलावा ऑटो टॉपअप की सुविधा के तहत अगर कार्ड का बैलेंस 100 रुपये से कम होता है तो कार्ड स्वत÷ ही टॉपअप हो जाएगा। टॉपअप यूजर्स के लिंक बैंक अकाउंट से दो बार में 100-100 रुपये का टॉपअप होगा।

सुरक्षित यात्रा में मददगार

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्विनी कुमार तिवारी ने कहा, 'डीएमआरसी की पहुंच काफी व्यापक है। इस साझेदारी के तहत हम दिल्ली मेट्रो से यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।' दरअसल, कोरोना वायरस महामारी के बीच इससे यात्रियों को सोशल डिस्टेंसिंग को फॉलो करने में भी मदद मिलेगी। **DMRC** के मुताबिक मेट्रो यात्रियों को सुरक्षित यात्रा में यह दिल्ली मेट्रो एसबीआई कार्ड मदद करेगा।

जानें कैसे होगा आवेदन

अधिकारी अश्विनी कुमार तिवारी ने कहा, हमनें **DMRC** के साथ खास टाइअप किया है, जिसके तहत 100 चिन्हित स्टेशनों पर कियोस्क लगाए जाएंगे। मेट्रो यात्री इन मेट्रो स्टेशन पर '**DELHI METRO SBI Card**' के लिए आवेदन कर सकते हैं। आप एसबीआई कार्ड पोर्टल के जरिए भी आवेदन कर सकते हैं।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की योजना से अगस्त में 9.3 लाख नये सदस्य जुड़े

नयी दिल्ली,

इस साल अगस्त में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की सामाजिक सुरक्षा योजना से करीब 9.30 लाख नये सदस्य जुड़े। यह आंकड़ा देश में संगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिति के बारे में जानकारी देता है।

शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़े के अनुसार इससे पूर्व माह में यह संख्या 7.55 लाख थी। यह आंकड़ा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी रिपोर्ट का हिस्सा है। ईएसआईसी से जुड़े सदस्यों की संख्या जून में 8.21 लाख, मई में 4.84 लाख और अप्रैल में 2.61 लाख रही। इससे पता चलता है कि जैसे-जैसे 'लॉकडाउन' में ढील दी गयी, उससे जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या बढ़ी है।सरकार ने कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये 25 मार्च से देशव्यापी 'लॉकडाउन' लगाया था। जून से पाबंदियों में ढील दी गयी।संगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिति को लेकर मई में जारी आंकड़े (पेरोल) के अनुसार मार्च में ईएसआईसी से सकल रूप से 8.21 लाख नये सदस्य जुड़े जबकि फरवरी में यह आंकड़ा 11.83 लाख रहा था। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार कुल मिलाकर ईएसआईसी से जुड़ने वाले नये अंशधारकों की संख्या 2019-20 में 1.51 करोड़ रही जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 1.49 करोड़ थी। सितंबर 2017 से मार्च 2018 के दौरान करीब 83.35 लाख नये अशंधारक ईएसआईसी योजना से जुड़े थे। रिपोर्ट के अनुसार सकल रूप से सितंबर 2017 से अगस्त 2020 के दौरान कुल 4.17 करोड़ सदस्य ईएसआईसी से जुड़े।एनएसओ की रिपोर्ट ईएसआईसी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ने वाले अंशधारकों की संख्या पर आधारित है। ये आंकड़े देश में संगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिति के बारे में जानकारी देते हैं।

महामारी के चलते इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रसार में हो सकती है देरी- इंडरा

नई दिल्ली:

रेटिंग कंपनी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंडरा) ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के चलते भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रसार में देरी होने की आशंका है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इस समय सरकार की प्राथमिकता पारंपरिक ऑटोमोबाइल उद्योग को पुनर्जीवित करने की है और साथ ही कम कीमत होने के कारण पारंपरिक जीवाश्म ईंधन पर आधारित गाड़ियों को खरीदना ग्राहकों के लिए आसान होगा।

ऐसे में इंडरा ने निकट भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों से फोकस हटने का अनुमान जताया है। इंडरा ने एक बयान में कहा कि इलेक्ट्रानिक गाड़ियों को दोतरफा दबाव का सामना करना पड़ेगा क्योंकि एक तरह जहां उपभोक्ता इस समय अधिक कीमत अदा करने के लिए तैयार नहीं होंगे, वहीं दूसरी ओर विनिर्माता भी इस समय पूंजीगत खर्च को बढ़ाने से परहेज करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि इन गाड़ियों के महंगा होने और पहले ही दबाव का सामना कर रहे परंपरागत ऑटो उद्योग को बचाने की सरकार की प्राथमिकता के चलते कुछ समय के लिए इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों से ध्यान हट सकता है। एजेंसी ने कहा कि महामारी के कारण आर्थिक गतिविधियों में कमी के चलते ऑटोमोबाइल उद्योग को वित्त वर्ष 2020-21 में बिक्री में 20 प्रतिशत कमी का सामना करना पड़ सकता है।

आर्थिक दशाओं में सुधार नहीं हुआ तो छह माह में बढ़ सकता है NPA, फेडरल बैंक ने जताई आशंका

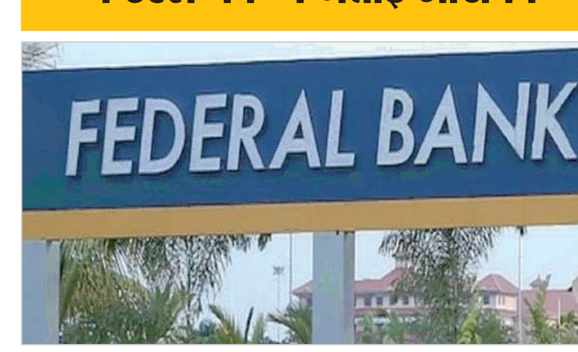

मुंबई

फेडरल बैंक ने आशंका जताई है कि अगर आर्थिक दशाओं में सुधार नहीं हुआ तो अगली दो तिमाहियों के दौरान छोटे व्यवसायों और खुदरा उधार लेने वालों के फंसे हुए कर्जों (एनपीए) में सामान्य के मुकाबले अधिक तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी श्याम श्रीनिवासन ने बताया कि अगर अर्थव्यवस्था की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रही तो आमतौर पर प्रति तिमाही 300-350 करोड़ रुपये के ताजा चूक के मुकाबले ये दर 30 प्रतिशत से अधिक हो सकती है। उन्होंने बताया कि 300 करोड़ रुपये चूक का यह आंकड़ा कॉरपोरेट कर्जों को छोड़कर है, और यह स्पष्ट किया कि ऐसा कोई भी बड़ा कॉरपोरेट ऋण नहीं है, जिसके एनपीए में जाने की आशंका हो।बैंक ने सितंबर तिमाही के दौरान तीन करोड़ रुपये के चूक की घोषणा की थी, साथ ही उसके कहा कि यदि राहत उपाए न किए गए होते तो यह आंकड़ा 237 करोड़ रुपये का होता। बैंक ने अधिक एनपीए होने की स्थिति में प्रावधन के लिए अलग से धन का इंतजाम भी किया था। चूक में बढ़ोतरी की आशंका पर श्रीनिवासन ने कहा कि हो सकता है कि खुदरा, कृषि क्षेत्र और छोटे व्यवसायों में कई खाते भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा घोषित एकमुश्त पुनर्गठन ढांचे के तहत निर्धारित मानदंडों को पूरा करने में सक्षम न हों। उन्होंने कहा कि बैंक इस तरह की चूक की पहचान करने में रहेगा और एनपीए बढ़ने के साथ ही प्रावधान के रूप में धन अलग रखेगा, जिसके चलते ऋण की लागत में बढ़ोतरी हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

आईपीएल-13 : बल्लेबाजी में राहुल, गेंदबाजी में रबादा शीर्ष पर कायम

दुबई। आईपीएल-13 के 40 मैचों की समाप्ति के बाद किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने ऑरेंज कैप और दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज कगिसो रबादा ने पर्पल कैप अपने पास ही रखी है। राहुल के 10 मैचों में 540 रन हैं। दूसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स के शिखर धवन हैं, जिनके नाम 10 मैचों से 465 रन हैं। धवन ने आईपीएल में लगातार दो शतक लगाने का कीर्तिमान भी स्थापित किया है। पंजाब के ही मयंक अग्रवाल 398 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। गेंदबाजी में रबादा सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में पहले स्थान पर हैं। 10 मैचों में रबादा ने 21 विकेट लिए हैं। उनके बाद पंजाब के मोहम्मद शमी का नाम है, जिनके नाम 16 विकेट हैं। राजस्थान रॉयल्स के जोफरा आर्चर 11 मैचों में 15 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर है। टीम अंकतालिका में सनराइजर्ज हैदराबाद गुरुवार को राजस्थान रॉयल्स को हराने के बाद पांचवें नंबर पर आ गई है। दिल्ली कैपिटल्स 10 मैचों में 14 अंकों के साथ शीर्ष पर है।

पंजाब और हैदराबाद को चाहिए सिर्फ जीत

दुबई।

शुरुआती मैचों में लगातार हार झेलने के बाद किंग्स इलेवन पंजाब ने अब जीत के रास्ते पर वापसी की है और लगातार तीन मैच जीते हैं। प्लेऑफ में जाने के लिए जरूरी है कि पंजाब अपने विजयी क्रम को जारी रखे। ऐसे में शनिवार को सनराइजर्स हैदरबाद के खिलाफ होने वाले मैच में भी उसकी यही कोशिश रहेगी।हैदराबाद की भी स्थिति पंजाब के समान है। उसे भी प्लेऑफ की उम्मीदों को बचाए रखने के लिए जीत चाहिए होगी। हैदराबाद ने अपने पिछले मैच में जिस तरह का प्रदर्शन किया उसे देखकर पंजाब को सचेत रहना होगा। 2016 की विजेता ने अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स को मात दी थी। उसके गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था और बल्लेबाजों ने भी। हां, हैदराबाद के लिए खिलाड़ियों की चोट एक समस्या है। भुवनेश्वर कुमार चोट के कारण पहले ही बाहर हो गए हैं जबकि केन विलियम्सन पिछले मैच में चोट के कारण नहीं खेले थे विलियम्सन के स्थान पर आए जेसन होल्डर ने गेंद से अहम योगदान देते हुए तीन अहम विकेट निकाले थे। होल्डर निचले क्रम में टीम को वह विकल्प दे सकते हैं जिसकी टीम को दरकार है- तूफानी अंदाज में रन बनाना। डेविड वार्नर और जॉनी बेयरस्टो पिछले मैच में नहीं चले थे, लेकिन मनीष पांडे ने नाबाद 83 रनों की पारी खेल टीम को जीत दिलाई थी और इसमें उनका साथ दिया था विजय शंकर ने। शंकर का यह प्रदर्शन एक तरह से हैरानी भरा कहा जा सकता है, क्योंकि लगातार विफल रहने के बाद लंबे अरसे से शंकर से ऐसे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं थी। शंकर ने राजस्थान के खिलाफ नाबाद 52 रन बनाए और मनीष के साथ 140 रनों की साझेदारी की।अब देखना यह होगा कि शंकर फॉर्म को कब तक जारी रख पाते हैं। साथ ही विलियम्सन की चोट पर भी नजरें रहेंगी। गेंदबाजी में टीम ने शुरू से ही अच्छा किया है। संदीप शर्मा, टी.नटराजन और होल्डर तीनों मिलकर पंजाब को रोकने का दम रखते हैं। स्पिन में टीम के पास राशिद खान है।वहीं पंजाब की बात की जाए तो, उसके लिए एक अच्छी खबर यह रही है कि पिछले कुछ मैचों से निकोलस पूरन का बल्ला चल रहा है। जिसका मतलब है कि कप्तान लोकेश राहुल, मयंक अग्रवाल और क्रिस गेल का साथ देने के लिए टीम के पास एक खिलाड़ी और है।इन चारों के बाद फिर टीम की बल्लेबाजी संकट में दिखने लगती है। इसका उपाय टीम को ढूंढ़ना होगा। गेंदबाजी में भी पंजाब के पास मोहम्मद शमी हैं। युवा अर्शदीप ने अपनी तेज गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। इन दोनों के अलावा जिम्मी नीशम टीम को एक ऑलराउंडर खिलाड़ी का अच्छा विकल्प देते हैं। रवि बिश्नोई और मुरुगन अश्विन टीम के स्पिन विभाग की मजबूत कड़ी हैं।

राफेल नडाल आज से मालोर्का में शुरु हो रहे प्रोफेशनल गोल्फ टूर्नामेंट में लेंगे हिस्सा

डिजिटल डेस्क।

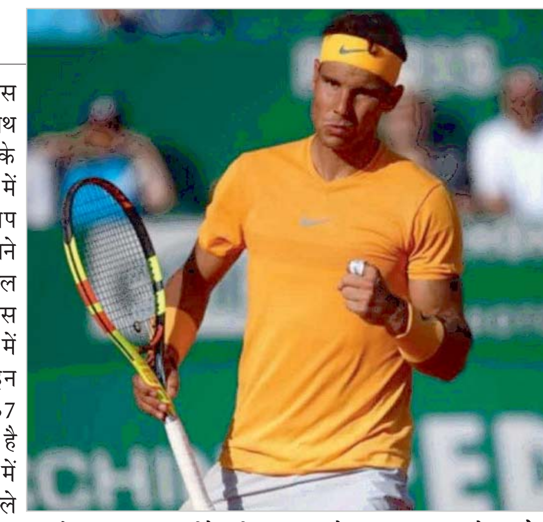

वर्ल्ड नंबर-2 स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल अब अपना हाथ गोल्फ में भी आजमा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नडाल शनिवार से मालोर्का में शुरु हो रहे बैलेरिक चैंपियनशिप (प्रोफेशनल गोल्फ टूर्नामेंट) में अपने क्लब के लिए खेलते दिखाई देंगे। नडाल एक शानदार गोल्फर हैं और वह इस टूर्नामेंट में 60 खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हैं। लिस्ट में शामिल इन खिलाड़ियों में से 23 प्रोफेशनल और 37 अनप्रोफेशनल हैं। यह पहली बार नहीं है जब नडाल ने किसी गोल्फ टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। इससे पहले वह पिछले हफ्ते केलविया में हुए वी टेस्ट सर्किट हेक्सागोनल-ऑटोवाइडल टूर्नामेंट में खेले थे। इस टूर्नामेंट में वह दूसरे स्थान पर रहे थे। यह एक अनप्रोफेशनल टूर्नामेंट था। बता दें कि, 34 साल के नोवाक जोकोविच ने इस महीने की शुरुआत में अपना 13वां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। इसके साथ ही उन्होंने रोजर फेडरर के सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लेम खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी भी की थी।

आर्सनल, टोटेनहैम और एसी मिलान ने यूरोपा लीग में जीत से शुरुआत की

लंदन । कार्लोस विनिसियस ने दो गोल करने में मदद की जिससे टोटेनहैम ने यूरोपा लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में लास्क पर 3-0 से जीत हासिल की जबकि आर्सनल ने भी जीत से शुरुआत की। आर्सनल ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करके रैपिड वियना को 2-1 से हराया। प्रीमियर लीग के एक अन्य क्लब लीस्टर ने जोर्या लुहान्सक को 3-0 से शिकस्त दी। एसी मिलान ने सेलटिक को 3-1 से पराजित किया जबकि रोमा ने भी शुरू में पिछड़ने के बाद यंग ब्वायज को 2-1 से हराया। ग्रेनाडा ने पीएसवी इंडहोवेन को हराकर उलटफेर किया। रेंजर्सने ने स्टैंडर्ड लीग को 2-0 से हराने में कोई परेशानी नहीं हुई। नीदरलैंड की टीम अज अलकमार ने नैपोली को 1-0 से पराजित करके उलटफेर किया।

कपिल देव की आपातकालीन एंजियोप्लास्टी सफल, हालत स्थिर

नई दिल्ली।

भारत के पहले विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान कपिल देव की शुक्रवार को यहां दक्षिणी दिल्ली के फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल में सफल आपातकालीन कोरोनरी एंजियोप्लास्टी हुई। अस्पताल ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि 61 साल के कपिल को गुरुवार रात दिल का दौरा पड़ने के बाद भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने आगे बताया कि कपिल की हालत स्थिर है और अगले कुछ दिनों में उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के कार्डियलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. अतुल माथुर के अनुसार कपिल को देर रात 1 बजे भर्ती कराया गया था, जहां बाद में उनकी इमर्जेंसी कोरोनरी एंजियोप्लास्टी की गई। अस्पताल ने एक बयान में कहा, पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान कपिल देव को सीने में दर्द की शिकायत के बाद दिल्ली के ओखला में फोर्टिस अस्पताल में गुरुवार देर रात 1 बजे भर्ती कराया गया था। बाद में डॉ. अतुल माथुर की निगरानी में उनकी इमर्जेंसी एंजियोप्लास्टी की गई। बयान में आगे कहा गया है कि फिलहाल कपिल आईसीयू में हैं और डॉ. अतुल माथुर और उनकी टीम की निगरानी में हैं। कपिल की हालत स्थिर है और उन्हें कुछ दिनों में अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। अस्पताल के एक अन्य डॉक्टर ने आईएएनएस से कहा, उन्हें गुरुवार रात को अस्पताल लाया गया था। उन्हें सीने में दर्द की शिकायत थी। जांच के बाद रात में ही एंजियोप्लास्टी की गई। अब वह स्थिर हैं। आम तौर पर छुट्टी देने से पहले मरीज को 48 से 72 घंटे तक अस्पताल में रखा जाता है। डॉक्टर ने साथ ही कहा कि दिग्गज क्रिकेटर को लंबे समय से शुगर की समस्या थी। उन्होंने कहा, मधुमेह के रोगी में रक्त वाहिकाओं में अधिक कैल्शियम जमा होता है। इसलिए, यह एक ऐसा मुद्दा है जो कि जियोप्लास्टी से गुजरने वाले रोगियों के लिए हो सकता है। लेकिन वह स्थिर है। किसी समय टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाले कपिल देव ने 1994 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वह छह साल तक सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए थे। उनके बाद इंग्लैंड के कॉर्टनी वाल्श ने उनका रिकॉर्ड तोड़ा था। कपिल देव की कप्तानी में ही भारत ने 1983 में पहली बार विश्व कप जीता था। कपिल ने भारत के लिए 131 टेस्ट और 225 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने क्रमश = 5248 और 3783 रन बनाए हैं। उन्होंने इसके अलावा 275 प्रथम श्रेणी मैच और 310 लिस्ट-ए मैच भी खेले हैं। कपिल ने 16 अक्टूबर 1978 को फैसलाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद उन्होंने अक्टूबर 1978 को क्वेटा में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया था।

संक्षिप्त समाचार

जिम्बाब्वे के दो खिलाड़ी कोरोना से संक्रमित हुए

हरारे। जिम्बाब्वे के दो खिलाड़ी, रेजिस चकवा और टिमिकेन मरुमा - जो पाकिस्तान के आगामी दौरे के लिए स्टैंडबाय पर थे - कोरोनावायरस से संक्रमित हो गए हैं।ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पाकिस्तान दौरे के लिए 25 सदस्यों की टीम का हिस्सा थे, लेकिन इस सप्ताह के शुरू में इस्लामाबाद पहुंचे 20 सदस्यों की टीम में नहीं थे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने एक एक बयान में कहा, चकवा और मारुमा, साथ ही अन्य दो संक्रमित कर्मचारी, फिलहाल कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार सेलफ आइसोलेशन में हैं। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं और जल्द ही काम पर वापस आने का स्वागत करते हैं।उन्होंने कहा, संक्रमित और प्रभावित लोगों की मदद के अलावा, हम अपनी सुविधाओं और कर्मचारियों के संबंध में सरकार और सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशानिदेशरें का पालन करना जारी रखेंगे, और कोरोनोवायरस के प्रसार को रोकने के लिए और कदम उठाएंगे। जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों को अब मंगलवार को क्वारंटीन पीरियड खत्म होने के बाद एक बार और कोरोनावायरस का परीक्षण कराना होगा। जिम्बाब्वे, पाकिस्तान में तीन एकदिवसीय और कई टी 20 मुकाबला खेलगा।

विश्व कप 2008 मेरे लिए वापसी करने वाला टूर्नामेंट था : नारंग

नई दिल्ली । ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग ने कहा है कि आईएसएसएफ विश्व कप 2008, उनके लिए वापसी करने वाला टूर्नामेंट था। नारंग ने 2008 की शुरुआत में चीन में हुए विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतकर आईएसएसएफ विश्व कप 2008 फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। क्वालीफिकेशन राउंड में उन्होंने 600 का स्कोर किया था। इसके बाद उन्होंने फाइनल में 103.5 का स्कोर करके कुल 703.5 के स्कोर के साथ पदक जीता था। नारंग ने ओलंपिक रजत पदक विजेता भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु के शो द-ए गेम में बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, निशानेबाजी विश्व कप 2008 मेरे लिए एक वापसी करने वाला टूर्नामेंट था क्योंकि मैं कई परेशानियों के बाद वहां तक पहुंचा था। मेरी मां अस्पताल में भर्ती थी और मुझे अपने परिवार तथा घर दोनों का ख्याल रखना था। मेरे लिए यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण स्थिति थी और मैं खुश था कि सिस्टम मुझे सपोर्ट कर रहा है, इसलिए मैं इस बाधा से पार पा सकता हूं और विश्व रिकॉर्ड बना सकता हूं। नारंग ने साथ ही इस पर भी बात की कि एक एथलीट किस तरह से सफलताओं से ज्यादा असफलताओं से सीख सकता है।ओलंपिक पदक विजेता ने कहा, खेल आपको सफलता और असफलता को समान रूप से स्वीकार करना सिखाता है। जब आप जीत रहे हैं तो आपको किसी की आवश्यकता नहीं है क्योंकि आप बिल्कुल वही कर रहे हैं जो आपको करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, लेकिन जब आप हारते हैं तो आप सबकुछ के बारे में सोचते हैं।

आईपीएल : स्टोक्स की बल्ले से विफलता राजस्थान की गेंदबाजी पर डाल रही है असर

नई दिल्ली।

बेन स्टोक्स की आईपीएल-13 में बल्ले से विफलता राजस्थान रॉयल्स को कई तरह से नुकसान पहुंचा रही है। वह शीर्ष क्रम में विफल हो रहे हैं और साथ ही साथ उनकी मौजूदगी टीम में एक विदेशी खिलाड़ी की जगह भी रोक रही है, जिसे टीम में गेंदबाजी मजबूत करने के लिए जोफ्रा आर्चर के साथ लाया जा सकता है। आईपीएल में टीम अंतिम-11 में सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ियों की ही खेला सकती हैं। कप्तान स्टीव स्मिथ, जोस बटलर और राजस्थान के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज आर्चर का स्थान टीम में अपने आप बनता है। इन लोंगो के बाद एक ही विदेशी खिलाड़ी की जगह खाली रह जाती है। स्टोक्स अगर बल्ले और गेंद से अच्छा करते तो उनकी जगह भी अपने आप बनती है। वह ज्यादा गेंदबाजी भी नहीं कर रहे है। उनहोंने अभी तक आठ ओवर फेंके हैं और एक भी विकेट नहीं निकाल पाए हैं। बल्ले से उन्होंने पांच मैचों में सिर्फ 110 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 106.79 का रहा है। स्टोक्स को इस सीजन बतौर सलामी बल्लेबाज उतारा गया है लेकिन अपनी पावर हिटिंग के लिए मशहूर स्टोक्स पावरप्ले का भी ज्यादा इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। कॉमेंटेटरों के बीच इस तरह की चर्चा है कि स्टोक्स को मध्य क्रम में ला जोस बटलर से पारी की शुरुआत कराना चाहिए। उनके आने से पहले बटलर यही कर रहे थे। बटलर के आने से पहले उनके हमवतन टॉम कुरैन टीम में थे। गेंद से हालांकि वह खर्चिले साबित हुए थे, लेकिन बल्ले से उन्होंने पांच मैचों की तीन पारियों में एक अर्धशतक जमाया था।गेंदबाजी में टीम के पास एक और विकल्प एंड्रयू टाई हैं। वह अभी तक सिर्फ एक मैच खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मैच में टाई ने चार ओवरों में 50 रन दिए थे। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज ओशाने थॉमस ने इस सीजन अभी तक एक भी मैच नहीं खेला है।

पंजाब से मिली हार टीम के लिए चिंता की बात नहीं : रबादा

अबू धाबी। आईपीएल-13 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर चल रहे दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज कगिसो रबादा ने कहा है कि किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मिली पांच विकेट की हार उनकी टीम के लिए चिंता वाली बात नहीं है।दिल्ली कैपिटल्स की टीम लीग के 13वें सीजन में 10 मैचों में सात जीत के साथ 14 अंक लेकर तालिका में टॉप पर हैं। टीम को अपना अगला मुकाबला शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलना है। रबादा ने मैच की पूर्वसंध्या पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे नहीं लगता है कि पंजाब के खिलाफ मिली हार टीम के लिए आंखें खोलने वाली बात है। यह केवल हार है, इसलिए इसमें कोई परेशानी वाली बात नहीं है और हम वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें यह देखना होगा कि हमसे कहां गलती हुई थी, जिसे हमें सही करना होगा। हमने खेल और उस क्षेत्र के बारे में भी बात की है, जहां हम सुधार कर सकते हैं। टूर्नामेंट में 10 मैचों में तीसरी हार झेलने के बाद दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी। रबादा ने कहा, हार मिली सकती है और इसलिए यह केवल वापसी करने और अगले मैच के लिए तैयार होने के बारे में है। हमने जो गलत किया है और सही किया है, उसकी पहचान करने के लिए, हमें बस कुछ मामूली समायोजन करने की आवश्यकता है। रबादा इस सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 10 मैचों में अब तक 21 विकेट लिए हैं। यह पूछे जाने पर कि उनकी शानदार गेंदबाजी के कारण इस बार टीम खिताब जीत सकती है, तेज गेंदबाज ने कहा, मुझे लगता है कि यह पूरी टीम का सामूहिक प्रदर्शन है। देखिए, हमने अब तक जितने भी मैच खेले हैं, उनमें सात अलग-अलग मैन ऑफ द मैच अवार्ड हैं। हमारी टीम में बहुत सारे मैच विजेता हैं, इसलिए यह दशार्ता है कि हम सभी जीतने के लिए भूखे हैं। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे विकेट मिल रही है। लेकिन हर कोई टीम में योगदान दे रहा है। सभी गेंदबाजों, बल्लेबाजों और यहां तक कि फिल्डरों ने भी हमारे अच्छे प्रदर्शन में योगदान दिया है।

बीबीएल-10: अंतिम एकादश में अधिकतम 3 विदेशी खिलाड़ियों की अनुमति

मेलबर्न। बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी सीजन में टीम के अंतिम एकादश में केवल तीन ही विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति होगी। पर्थ स्कॉर्चर्स का इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय के साथ करार करने के बाद इस फैसले की पुष्टि की गई है। बीबीएल ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर कहा, अंतिम एकादश में क्लब केवल तीन खिलाड़ियों को ही शामिल कर सकते हैं। इस साल से टीम में खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाकर 19 कर दी गई है। क्रिकबज ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग के प्रमुख एलिस्टेयर डॉबसन के हवाले से कहा, तीसरे विदेशी खिलाड़ी स्लॉट की शुरूआत बिग बैश लीग के विकास में एक प्रमुख मील का पत्थर है और लीग के दसवें सीजन का जश्न मनाने का एक शानदार तरीका है।बीबीएल का 10वां सीजन तीन दिसंबर से एडिलेड ओवल में शुरू होगा।

एशियाड 2010 में दोहा खिताब बचाने का दबाव था : पंकज आडवाणी

नई दिल्ली।

स्नूकर और बिलियर्डस में कुल 23 खिताब जीतने वाले खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने खुलासा किया है कि ग्वांग्झोउ में 2010 एशियाई खेलों में 2006 में दोहा में जीते गए खिताब को बचाने का उन पर दबाव था।आडवाणी ने 2006 दोहा एशियाई खेलों में बिलियर्डस में स्वर्ण पदक जीता था और वह ग्वांग्झोउ 2010 एशियाई खेलों में मौजूदा चैंपियन के रूप में उतरे थे, जहां उन्हें अपने पिछले खिताब का बचाव करना था। आडवाणी ने ओलंपिक रजत पदक विजेता भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु के शो द-ए गेम में बातचीत के दौरान यह बात कही। आडवाणी ने कहा, जब मैं 21 साल का था तो एशियाई खेल मुझे एक अलग स्तर का लगा था। वहां बहुत दबाव था क्योंकि न केवल आपकी की बिरादरी के लोग आपको देख रहे हैं, बल्कि पूरी खेल दुनिया, विशेष रूप से महाद्वीप, भारतीय अधिकारी, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और हर किसी की नजर आप पर और खेल पर है, क्योंकि वे हर खेल से पदक जीतने की उम्मीद रखते हैं। आडवाणी ने 2010 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जिताकर भारत को इस प्रतियोगिता में पहला स्वर्ण पदक दिलाया था। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि हमने बहुत से कांस्य और रजत पदक जीते हैं, लेकिन मुझे नहीं पता था कि यह भारत के लिए (प्रतियोगिता में) पहला स्वर्ण पदक होगा। इसलिए वह दबाव मुझ पर भाग्यशाली नहीं था। लेकिन स्वर्ण जीतने और एशियाई खेलों में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने का दबाव, निश्चित रूप से मुझ पर भारी पड़ रहा था। 35 वर्षीय आडवाणी ने आगे कहा, जब मैं 62 अंक पर था और मुझे 38 अंक और चाहिए थे, तो मैंने बहुत ही साधारण गलती की और मुझे लगा कि शायद यह बहुत महंगा पड़ सकता है। फिर मुझे अंतिम झटका लगा और इस बार मैं खुद को तैयार करना चाहता था और थोड़ा समय लेकर और यह सुनिश्चित करना चाहता था कि मैंने फिनिश लाइन पार कर ली।

क्वारंटीन अनुभव ने मुझे चोटिल दिनों की याद दिला दी : मुमताज

बेंगलुरू । भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम की फॉरवर्ड मुमताज खान कोविड-19 महामारी के बीच करीब छह महीने बाद मैदान पर वापसी करने से खुश हैं। भारतीय महिला जूनियर हॉकी की कोर टीम पांच अक्टूबर को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सेंटर पहुंची थी और इस सप्ताह अपनी ट्रेनिंग शुरू करने से पहले टीम दो सप्ताह की क्वारंटीन में रहेंगी। लखनऊ की रहने वाली मुमताज ने कहा, दो सप्ताह में क्वारंटीन में रहना एक नई और चुनौतीपूर्ण अनुभव था। इसने मुझे अपने चोट के दिनों की याद दिला दी, जब उस समय मेरा मूवमेंट सीमित थी और मुझे आराम करने की सलाह दी गई थी। आखिरकार मैदान पर वापसी करके मैं खुश हूं। मुमताज ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि खिलाड़ियों को उस समय का पालन करने के लिए कहा गया था जब वे ब्रेक पर थे, जिससे उन्हें अपनी फिटनेस बनाए रखने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, जब खिलाड़ी हॉकी इंडिया के राष्ट्रीय कार्यक्रम में आते हैं, तो फिटनेस और आहार के बारे में बहुत जागरूकता पैदा की जाती है। हमें हमेशा बताया जाता है कि जब हम ब्रेक पर होते हैं तो क्या करना है, कैसे अपना ध्यान रखना है। हमें आमतौर पर पालन करने के लिए एक विशेष समय दिया जाता है और जब हम एक ब्रेक पर थे, तो हम लॉकडाउन के दौरान घर पर बुनियादी वर्कआउट कर रहे थे और एक बार लॉकडाउन समाप्त हो गया तो हम अपनी फिटनेस पर काम करने के लिए बुनियादी चीजें करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेशमकीट पालन

संकरित रेशमकीट

आईवीएलपी के अंतर्गत सीएसआर-2 : सीएसआर-4 एवं द्विगुण संकरित (कृष्ण राजा) जैसे उन्नत बाइवोल्टाइन संकरित रेशमकीट की सिफारिश की गई है।

चावकी पालन

अण्डे के फूटने से लेकर परिपक्व अवस्था तक पहुँचने में एक रेशम कीट को पाँच अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। कीटों की दूसरी अवस्था युवा अवस्था या चावकी अवस्था कहलाती है। चूँकि यह प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते और इसके संक्रमित होने की संभावना अधिक रहती इसलिए चावकी पालन हेतु विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अतएव चावकी पालन केन्द्रों में नियंत्रित परिस्थितियों के भीतर पले रेशमकीट प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए।

बड़े उम्र में पालन

बड़े उम्र के कीटों का पालन तीसरे इनस्टार से शुरू होती है। ये कीड़े बहुत अधिक पत्तियाँ खाने वाले होते हैं।

मलबरी रेशमकीट

पालन आजीविका का साधन

मलबरी रेशमकीट को विभिन्न जलवायु स्थितियों और विस्तृत क्षेत्र वाली मिट्टी में उगाया जा सकता है। बेहतर पद्धतियों को अपनाकर कोकुन की अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। लेकिन इसके लिए अधिक ऊपज देने वाली उत्तम किस्म की पत्ती का होना आवश्यक शर्त है। रेशमकीट का पालन लार्वा अवधि के दौरान पाँच विभिन्न चरणों से होते हुए होती है। लार्वा अवधि में उसे विशेष रूप से निर्मित रेशमकीट पालन शेड में रखा जाता है। साथ ही, उच्च कोटि का रेशम प्राप्त करने के लिए उचित समय पर प्रबंध और गहन देखभाल की जाती है।

पालन घर

मलबरी रेशमकीट पालन एक पूर्णत: घरेलू व्यवसाय है। इसके लिए 24-28 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान और 70-80 प्रतिशत आर्द्रता वाले मौसम की जरूरत होती है। इसलिए किफ़ायती ठंड वातावरण बनाये रखने के लिए दीवार व छत की बनावट के लिए उपयुक्त सामग्री का चयन,भवन का अभिसरण, निर्माण पद्धतियाँ, डिज़ाइन इत्यादि पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। आगे, पत्तियों की रख-रखाव, चावकी पालन, परिपक्व अवस्था पालन एवं मोल्टिंग के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध होनी चाहिए। साथ ही, उस स्थान की साफ-सफाई और रोगमुक्तीकरण व्यवस्था भी अच्छी तरह होनी चाहिए। पालन के प्रकार और मात्रा के अनुसार पालन घर का आकार होनी चाहिए। 100 डीएफएल के लिए 400 वर्ग फीट क्षेत्रफल वाला सतह प्रदान किया जा सकता है (डीएफएल- डिज़िज़ फ्री लेइंग (रोग मुक्त स्थान), 1डीएफएल = 500 लार्वा)।

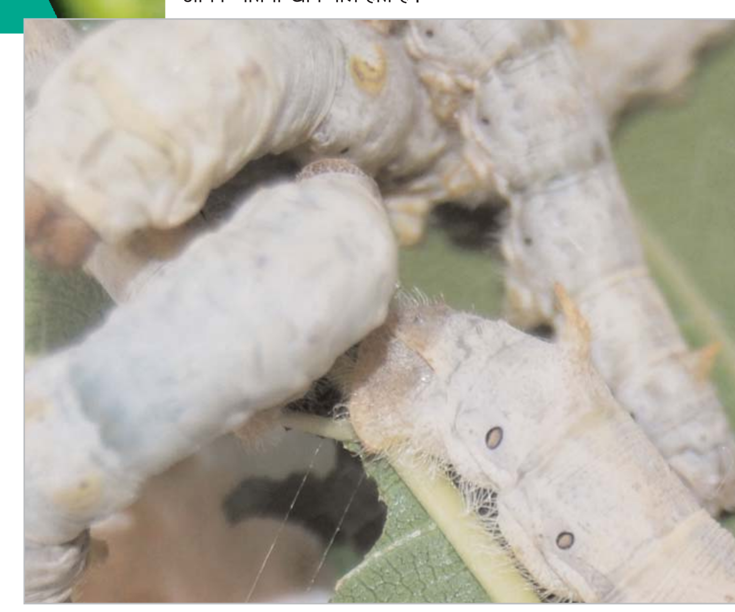

पालन उपकरण

परिपक्व अवस्था वाले रेशमकीट उच्च तापमान,उच्च आर्द्रता और न्यूनतम स्तर वाले हवा के आवागमन व्यवस्था को सहन नहीं कर पाते हैं। इसलिए कमरे के तापमान को न्यूनतम स्तर पर बनाये रखने के लिए पालन घर में दो ओर से हवा के आने व जाने की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि रेशमकीट द्वारा छोड़े गये मल से उत्पन्न बड़ी मात्रा में गैस आसानी से बाहर निकल सके। 100 डीएफएल (50 हजार लार्वा) के लिए न्यूनतम उपकरण आवश्यकता को निम्न तालिका में दर्शाया गया है -

सारणी- 100 डीएफएलएस (50 हजार लार्वा) पालन हेतु अपेक्षित पालन उपकरण

पालन घर या उपकरणों को संक्रमणरहित बनाये रखने के लिए इसे दो बार साफ की जानी चाहिए। पहली बार पूर्ववर्ती फसल की तैयारी के तुरंत बाद 5 प्रतिशत ब्लिचिंग पाउडर से तथा दूसरी बार दूसरे फसल के दो दिन पहले 2.5 सैनिटेक (क्लोरीन डाई-ऑक्साइड) के घोल से साफ की जानी चाहिए। रोगमुक्त करने का सुझाव निम्न तालिका में दर्शाया गया है-

7. शूट पालन-एक किफायती उपाय

रेशमकीट पालन की इस पद्धति में अंतिम तीन अवस्थाओं का पालन एक स्वतंत्र पत्ती के स्थान पर मलबरी शूट देकर किया जाता है। पालन की यह सबसे किफायती पद्धति है जिससे 40 प्रतिशत तक पालन श्रम की बचत होती है। अन्य लाभ इस प्रकार है-

- रेशमकीट की संख्या कम होने पर बीमारी के फैलाव एवं संक्रमण में कमी।
- कीड़ों और पत्तियों को प्रक्रिया से अलग करते ही द्वितीयक संक्रमण घट जाता है।
- साफ-सफाई बनाये रखना।
- भंडारण और बेड पर होने की स्थिति में पत्ती की गुणवत्ता का बेहतर संरक्षण।
- बेड में बेहतर वायु संचरण।
- बेहतर कोकुन गुणवत्ता एवं लार्वा की उच्च उत्तर-जीविता।
- न्यून गैर आवर्ती व्यय।

पोषण

50-55 दिन पुराने शूट का पोषण प्रारंभ करें। इसकी कटाई सुबह के ठण्डे मौसम में 3-4 फीट की ऊँचाई पर करें। 60-65 दिन पुराने शूट का पोषण पाँचवीं अवस्था वाले कीटों के साथ की जानी चाहिए। कटाई की गई शूट का भंडारण ढीले में उर्ध्वाकार अवस्था में ठण्ड और आर्द्रता युक्त वातावरण में करनी चाहिए जो साफ, रोगाणुमुक्त एवं गीले कपड़े से ढके हुए हों। बाई वोल्टाईन रेशमकीट के लिए चौथे अंतर्रूप में 460 कि.ग्राम और पाँचवें अंतर्रूप में 2880 कि.ग्राम मलबरी मंजरी के मात्रा की आवश्यकता होती है। प्रतिदिन 3 बार भोजन देने (सुबह 6 बजे, दोपहर 2 बजे और रात 10 बजे) की सारणी को अपनाया जाना चाहिए। मटमैले या अधिक पके हुए पत्तियों को न खिलाएँ। प्रत्येक पोषण के दौरान बेड में लार्वा को समानांतर रूप में वितरित करें। पाँचवीं अवस्था के अंत में 100 डीएफएलएस के लिए 600 वर्ग फीट की जगह की आवश्यकता होती है। प्रत्येक सफाई/पोषण से पहले चॉप स्टीक से ध्यानपूर्वक सभी छोटे आकार वाले और बीमारी की आशंका वाले कीड़ों को हटा दें। लिये गये लार्वा को 0.3विलयन बुझे हुए चूने के 2 प्रतिशत ब्लीचिंग पाउडर में रखें।

मलबरी कृषि और रेशमकीट पालन की सर्वोत्तम पद्धतियाँ

पूरे पालन अवधि के दौरान रेशमकीट को काफी सावधानीपूर्वक देखभाल की जाती है और उसके भोजन के लिए उत्तम किस्म के मलबरी पत्ते का इस्तेमाल किया जाता है। बेहतर वातावरण का निर्माण और कृमि व बीमारियों से रक्षा इनके पालन की अन्य आवश्यक शर्त्ते हैं। रेशमकीट के लिए अनुकूल स्थितियाँ प्रदान करने के लिए एक अलग से पालनघर और पालन उपकरण व साधनों की आवश्यकता होती है। एक साल में 5 से 10 फसलों का पालन किया जा सकता है और प्रत्येक फसल की जीवन अवधि लगभग 70-80 दिनों की होती है।

मलबरी कृषि

मलबरी प्रज़ाति

वी-1 और एस-36 उच्च ऊपज़ देने वाली मलबरी प्रजाति है और रेशमकीट पालन के लिए अत्यंत उपयुक्त है। ये दोनों प्रजाति पोषक पत्ती प्रदान करती है जो रेशमकीट पालन में लार्वा के लिए अत्यंत आवश्यक है। इन दो प्रजातियों की विशेषताएँ निम्न हैं -

एस 36 प्रज़ाति - इसकी पत्तियाँ हृदय आकार की मोटी और हल्के हरे रंग के साथ काँतियुक्त होती है। पत्तियों में उच्च आर्द्रता होती है तथा उसमें अधिक पोषक तत्व होते हैं। प्रति वर्ष एक एकड़ में लगभग 15 हज़ार से 18 हज़ार किलो ग्राम मलबरी पत्तियाँ प्राप्त होती हैं।

वी -1 प्रजाति - यह प्रजाति वर्ष 1997 के दौरान जारी की गई और खेती में काफी लोकप्रिय है। पत्तियाँ अण्डाकार, बड़े आकार की, मोटी, आर्द्रता लिए हुए गहरे हरे रंग की होती है। एक वर्ष में लगभग 20-24 हज़ार किलो ग्राम मलबरी पत्तियाँ प्राप्त की जा सकती है।

रोपण पद्धति

वृक्षारोपण की व्यवस्था दो कतारों में की जाती है जहाँ (90+150 सें.मी) ङ्क 90 सें.मी या 60 सें.मी ङ्क 60सें. मी. की दूरी उपयुक्त होती है। वृक्षारोपण की दोहरी कतार के लाभ इस प्रकार है-

दोहरी कतार के बीच जगह होने से अंतर कृषि गतिविधि तथा पत्तियों के परिवहन हेतु पावर टिलर का उपयोग किया जा सकता है। इसके द्वारा ड्रिप सिंचाई सुविधा होती है।

प्रति एकड़ अधिक संख्या में वृक्षों को लगाया जा सकता है। आसानी से एवं शीघ्रतापूर्वक पत्तियों को ले जाया जा सकता जो आर्द्रता हानि की संभावना को कम करता है। डंठल कटाई (शूट हार्वेस्टिंग) से 40 प्रतिशत तक श्रम की बचत होती है।

गोबर एवं खाद का प्रयोग

प्रति हेक्टेयर 8 मीट्रिक टन की दर से साल में दो बार गोबर का प्रयोग करें। मलबरी के वी-1 प्रजाति के लिए एनपीके का प्रयोग 350:140:140 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से तथा मलबरी के एस-36 प्रजाति के लिए 300:120:120 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रति वर्ष 5 बराबर भागों में बाँट कर करें।

सिंचाई

सप्ताह में एक बार 80 से 120 मिली मीटर की दर से सिंचाई । पानी की कमी होने की स्थिति में किसान ड्रिप सिंचाई का प्रयोग कर 40प्रतिशत पानी की बचत कर सकते हैं।

बेड क्लीनिंग

अस्वस्थ लार्वा को हटाएँ और उसे 0.3 बूझा हुआ चूना विलयन में 2 प्रतिशत ब्लीचिंग पाऊडर में रखें। बेड की सफाई करते समय पालन कक्ष में बेड को सतह पर इधर-उधर न फैलाएँ।

10. तापमान और आर्द्रता बनाये रखना

तीसरे अंतर्रूप लार्वा के लिए बेहतर तापमान 26 डिग्री सें, चौथे अंतर्रूप के लिए 25 डिग्री से. और 5 वें अंतर्रूप के लिए 24 डिग्री से.आदर्श तापमान है तथा उसी प्रकार तीसरे अंतर्रूप के लिए आर्द्रता 80प्रतिशत तथा चौथे व 5 वें अंतर्रूप लार्वा के लिए 70 प्रतिशत आर्द्रता की आवश्यकता होती है। एयर कूलर, रूम हीटर, चारकोल स्टोव, भींगी थैली या भीगी हुई रेत का उपयोग करते हुए कूलिंग, हीटिंग और आर्द्रता वाले उपकरणों का उपयोग कर आवश्यक तापमान और आर्द्रता बनाए रखे। हवा के आवागमन से रेशमकीट के शारीरिक तापमान को घटाने में मदद मिलती है।

फसलोत्पादन की पहली सीढ़ी

किसी भी फसल के उत्पादन के लिए बीज एक महंगा आदान होता है। फसल उत्पादन की कुल लागत का लगभग 20-30 प्रतिशत भाग अकेले बीज पर ही खर्च हो जाता है। अत: स्वस्थ फसल प्राप्त करने के लिए हमें बीजों को बिमारियों से दूर रखना चाहिए जिसके लिए हमें फसलों को बोने से पहले बीजोपचार करना चाहिए। बीजोपचार का उद्देश्य न केवल बीज एवं मृदा जनित बिमारियों की रोकथाम करना होता है वरण जीवित परन्तु सुषुप्त जीवाणुओं के लेप करने के लिए ऐसे माध्यम का प्रयोग करना होता है जो बीज अंकुरण के पश्चात अंकुरित पौधे को एक स्वस्थ एवं ओजपूर्ण विकसित पौधे के लिए नाइट्रोजन एवं स्फुर प्रदान करता है जिससे अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है। फसलों को बीज जनित एवं मृदा जनित रोगों से बचाने के लिए बीजों को बोने से पहले कुछ रासायनिक दवाओं एवं पोषक तत्वों की उपलब्धता बढाने के लिए कुछ जैव उर्वरकों से उपचारित किया जाता है ।

जैव उर्वरक के प्रकार

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तान में क्यों हो गए गृह युद्ध जैसे हालात ? जानें इससे जुड़ा हर अपडेट

एजेंसी, कराची। पाकिस्तान के कराची में पुलिस और सेना के बीच हुई झड़प के देश में गृह युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। पुलिस और सेना आमने-सामने आ गए हैं। अब भी दोनों के बीच भीषण गोलीबारी हो रही है। वहीं, पाकिस्तानी मीडिया ने गंभीर होते हालात को कहीं न कहीं जनता से छिपाने की कोशिश भी शुरू कर दी है। दरअसल, सफ्दर और उनकी पत्नी पीएमएल-नवाज की उपाध्यक्ष मरियम नवाज पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट की रैली में भाग लेने के लिए कराची आई थीं। इसी दौरान सफ्दर को उनके होटल के कमरे से गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि जल्द ही उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया।

आईजी सिंध को घर से उठाया

सिंध पुलिस ने ट्वीट कर कहा है कि 18/19 अक्टूबर की रात को सेना के जवानों ने आईजी सिंध मुश्ताक मेहर का अपहरण कर लिया था। उन्हें मोहम्मद सफ्दर की गिरफ्तारी के आदेश पर दस्तखत करने के लिए मजबूर भी किया था। सिंध पुलिस इन व्यवहार से काफी आहत है, जबकि आईजी ने विरोध दर्ज कराने के लिए अनिश्चितकालीन के लिए छुट्टी पर जाने का फैसला लिया। इतना ही नहीं तीन अतिरिक्त आईजी, 25 डीआईजी, 30 एसएसपी और सिंध के दर्जनों एसपी, डीएसपी और एसएचओ सहित पुलिस के लगभग सभी शीर्ष अधिकारियों ने इसके विरोध में छुट्टी के आवेदन दिए।

सेना ने जारी किया बयान

सेना की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि सेना प्रमुख ने कराची कोर कमांडर को तत्काल घटना की जांच करने और जितनी जल्दी हो सके रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बयान में हालांकि यह नहीं स्पष्ट किया गया है कि उन्होंने किस घटना की जांच कराने को कहा है, लेकिन इससे पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने प्रशासन से सफ्दर की गिरफ्तारी से जुड़ी घटनाओं की जांच कराने की मांग की थी।

मंत्री ने ही कराया था सिंध के आईजी का अपहरण

पाकिस्तान के आतंरिक मामलों के मंत्री ब्रिगेडियर इजाज शाह पर आरोप है कि पूर्व पीएम नवाज शरीफ के दामाद सफ्दर अवान की गिरफ्तारी के लिए सिंध पुलिस प्रमुख पर दबाव डालना और उनका अपहरण इजाज शाह के दिमाग की उपज है। उन्होंने पुलिस अधिकारी के अपहरण मामले में पाकिस्तानी रेंजर्स का बचाव किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रणाली में किसी भी राजनेता को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्रीय संस्थानों को निशाना बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

सेना के हस्तक्षेप पर बरसे मौलाना फजलुर रहमान

मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि पूरे मुल्क का नियंत्रण सेना ने संभाला हुआ है। हर जिले, तहसील और डिविजन पर सेना का आदमी बैठा है। पूरा सूबा सेना चला रही है। एपेक्स कमिटी बनी है, जिसमें एक फौजी अफ्सर होता है, उसके सामने एसपी, कमिश्नर सब बेबस नजर आते हैं। आम नागरिकों की मदद के कानून के नाम पर पाकिस्तान की सेना कब्जा कर चुकी है। मेरी मांग है कि फौज सभी नागरिक जिम्मेदारियों से हटे। दो हल्के सैन्य तख्तापलट हो चुके हैं। पाकिस्तान में वर्ष 2008 से जनता की सरकार है, लेकिन अब तक दो हल्के सैन्य तख्तापलट हो चुके हैं। इसमें वर्तमान समय में सिंध में चल रहा विरोध शामिल है। इस समय सिंध में पुलिस और सेना आमने-सामने है।

पाकिस्तान में IGP के 'अगवा' होने से PML -N नेता के खिलाफ FIR तक, जानिए इसके पीछे कौन

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान रेंजर्स की तरफ से सिंध के आईजीपी को अगवा करने और उसके बाद पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के नेता और नवाज शरीफ के दामाद सफ्दर अवान की गिरफ्तारी के कदमों का पाकिस्तान के गृह मंत्री ब्रिगेडियर एजाज शाह ने बचाव किया है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी राजनीतिक नेता को 'अभिव्यक्ति की आजादी' के नाम पर राष्ट्रीय संस्थानों पर हमला नहीं करने दिया जाएगा। 'कराची की घटना' को लेकर पाकिस्तान सरकार और सेना की भारी किरकिरी हो रही है।

पाक के लिए सिरदर्द बन सकती है पुलिस और सेना में टकराव के बाद की हिंसा

नई दिल्ली। सिंध प्रांत में पुलिस और सेना के बीच टकराव के बाद हुई हिंसा और विद्रोह की घटना पाकिस्तान के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकती है। जानकारों का कहना है कि भारत को स्थिति पर नजर रखनी चाहिए।

सामरिक मामलों के जानकार और विवेकानंद फाउंडेशन के वरिष्ठ फेलो पीके मिश्रा का कहना है कि सिंध का पुलिस विद्रोह पाक में एक और विभाजन की नींव बन सकता है। इस घटना ने पाकिस्तान सेना और इमरान सरकार दोनों की किरकिरी की है। खासतौर पर जिस तरह से पुलिस ने सेना से मुकाबला किया है और स्थानीय लोगों ने पुलिस का साथ दिया है वह पाकिस्तान के लिए खतरे की घंटी है। मिश्रा का कहना है कि भारत को इस स्थिति में तटस्थ नही रहना चाहिए। भारत को इस पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा जो लोग सेना की मुखालफत कर रहे हैं वे पाकिस्तान से अलग होना चाहते हैं। यह पहली बार है जब सेना और पुलिस में आमना सामना हुआ है। अगर सिंध में इमरजेंसी लगाई गई तो आग और भड़केगी।

मामले को संयुक्त राष्ट्र में उठाए भारत

सामरिक जानकारों के मुताबिक भारत के खिलाफ प्रॉक्सी वार में शामिल पाकिस्तान के लिए यह स्थिति बहुत जटिल हो सकती है। भारत को इस मामले को संयुक्त राष्ट्र में उठाना चाहिए कि सिंध प्रांत के लोगों को किस तरह से सेना का इस्तेमाल करके दबाया जा रहा है। भारत को किसी भी सूरत में मूकदर्शक नहीं रहना चाहिए।

हालात बदल रहे

गौरतलब है कि सिंध पुलिस के आईजी के सेना द्वारा अपहरण के बाद सिंध पुलिस के तेवर से डरकर बाजवा ने पाक रेंजर्स की करतूत की जांच का भरोसा दिया है। जानकारों का कहना है हालात बदल रहे हैं। कल तक जिस मुल्क में सेना का सिक्का चलता था। उस पाकिस्तान में बाजवा को आंख दिखाने की हिम्मत सिंध पुलिस ने दिखाई। ये साफ संकेत है कि पाकिस्तान में बड़ा विद्रोह दस्तक दे रहा है। दरअसल, नवाज शरीफ के दामाद सफ्दर की गिरफ्तारी के बाद सेना के सीधे तौर पर दखल की बात सामने आई है। हाल ही में पाकिस्तान के विपक्षी दलों ने एक रैली आयोजित कर इमरान सरकार को घेरा था।

रूस के हैकरों ने अमेरिका, स्थानीय नेटवर्कों को बनाया निशाना:अमेरिकी अधिकारी

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिका के अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि रूस के हैकरों ने कम से कम दो सर्वर से डेटा चुराया और देश एवं स्थानीय सरकारों के दर्जनों नेटवर्क को निशाना बनाया। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से दो सप्ताह से भी कम समय पहले जारी इस चेतावनी ने मतों के साथ संभावित छेड़छाड़ की आशंका को बढ़ा दिया है और परिणामों की विश्वसनीयता को कमजोर किया है। चेतावनी में हाल में रूस द्वारा प्रायोजित हैकिंग समूहों की देश और स्थानीय नेटवर्क के खिलाफ गतिविधियों का जिक्र है। अमेरिकी अधिकारियों ने बुधवार रात को एक संवाददाता सम्मेलन में ईरानी हस्तक्षेप को लेकर आगाह किया था।

पाक सेना और पुलिस के बीच गोलीबारी-हिंसक झड़प, इमरान सरकार में ये क्या हो रहा...कहीं सैन्य तख्तापलट की ओर इशारा तो नहीं

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में पुलिस और सेना के बीच हुई झड़प के देश में गृह युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। पुलिस और सेना आमने-सामने आ गए हैं। अब भी दोनों के बीच भीषण गोलीबारी हो रही है। वहीं, पाकिस्तानी मीडिया ने गंभीर होते हालात को कहीं न कहीं जनता से छिपाने की कोशिश भी शुरू कर दी है। दरअसल, सफदर और उनकी पत्नी पीएमएल-नवाज की उपाध्यक्ष मरियम नवाज पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट की रैली में भाग लेने के लिए कराची आई थीं। इसी दौरान सफदर को उनके होटल के कमरे से गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि जल्द ही उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया।

पुलिस और सेना के बीच झड़प

पाकिस्तान के कराची में पुलिस और सेना के बीच हुई झड़प में दस जवानों की मौत हो गई है। मरने वालों में सेना के पांच अधिकारी भी शामिल हैं। हालांकि, पाकिस्तानी मीडिया ने इस खबर को दबाने की पुरजोर कोशिश की है। इंटरनेशनल हेराल्ड के एक ट्वीट के अनुसार कराची में सिंध पुलिस और पाकिस्तानी सेना के बीच हुई गोलीबारी में दस जवानों की मौत हो गई। गोलीबारी के दौरान सिंध के पुलिस अधीक्षक एम आफ्ताब अनवर को हिरासत में ले लिया। हालांकि, कई मीडिया रूप ने अपने ट्विटर हैंडल पर टकराव की सूचना दी है। पाकिस्तान के मुख्यधारा के मीडिया ने इस खबर को जनता से छिपाने की पूरी कोशिश की है। सेना और पुलिस के बीच मामला उस समय तूल पकड़ा, जब 11 विपक्षी दलों के गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) ने कराची में एक विशाल रैली की। इस रैली में सेना की कठपुतली बनी इमरान सरकार और सेना पर जमकर निशाने साधे गए। रैली में जबर्दस्त भीड़ इकट्ठा हुई थी। लंदन से वीडियो लिंक के जरिए पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने भी संबोधित किया।

ऑक्सफोर्ड वैक्सीन के ट्रायल के दौरान वॉलंटियर की मौत, टेस्टिंग रोकने से इनकार

साओ पाउलो। एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना पर नियंत्रण के लिए विकसित किए जा रहे ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका के टीके के परीक्षण के दौरान 15 अक्टूबर को एक प्रतिभागी की मौत हो गई। ये मामला ब्राजील के साओ पाउलो में सामने आया, जहां इस टीके के तीसरे चरण का परीक्षण किया जा रहा है। दरअसल, परीक्षण में शामिल रियो-डि-जेनेरियो के रहने वाले एक 28 वर्षीय व्यक्ति को टीके की पहली खुराक देने के बाद उसे स्वास्थ्य परेशानी हुई और बाद में उसकी मौत हो गई। इस घटना ने वैक्सीन को लेकर संदेह पैदा कर दिया है। हालांकि, कंपनी ने ट्रायल रोकने से इनकार कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अभी कोरोना के संभावित 42 टीकों का परीक्षण किया जा रहा है, जिनमें से दस तीसरे चरण में हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के बाद ब्राजील में कोरोना वायरस का सबसे ज्यादा प्रकोप है। कोरोना के चलते ब्राजील में अब तक 1,54,000 से अधिक लोग मारे गए हैं।

ऑक्सफोर्ड का दावा, वैक्सीन नहीं मौत का कारण

हालांकि, ऑक्सफोर्ड का दावा है कि तीसरे चरण के परीक्षण के दौरान प्रतिभागी की मौत टीके के कारण नहीं हुई है। ब्राजील के स्वास्थ्य प्राधिकरण एविसा ने कहा है कि इस प्रतिभागी की मौत कोरोना संक्रमण की गंभीर स्थिति के चलते हुई है। इसे परीक्षण के दौरान टीके की खुराक नहीं दी गई थी, बल्कि प्लेसेबो लगाई गई थी, जो कि असली दवा नहीं है। वैक्सीन के किसी भी नकारात्मक प्रभाव से इनकार करते हुए उसने तीसरे चरण का परीक्षण जारी रखने की सिफारिश की है।

सब कुछ उम्मीद के मुताबिक आगे बढ़ रहा

जानकारी के मुताबिक ब्राजील में जारी एस्ट्राजेनेका के टीके के तीसरे चरण के परीक्षण के लिए 10,000 प्रतिभागियों में से 8,000 प्रतिभागियों को शामिल किया गया। इन प्रतिभागियों को ब्राजील के छह शहरों के अस्पतालों में टीके की खुराक दी गई। तीसरे चरण के परीक्षण में कंपनी की मदद कर रहे ब्राजील विश्वविद्यालय ने दावा किया कि किसी भी प्रतिभागी में टीके से संबंधित कोई दुष्प्रभाव को नहीं देखा गया। सब कुछ उम्मीद के मुताबिक ही आगे बढ़ रहा है।

अमेरिका में एस्ट्राजेनेका से जुड़े परीक्षण पर रोक

कोरोना के खिलाफ टीके की रेस में सबसे आगे एस्ट्राजेनेका की एजेडडी-1222 के परीक्षण पर अमेरिका में अब भी रोक जारी है। अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने एक मरीज में हुए दुष्प्रभावों की जांच के लिए इसके परीक्षण पर रोक लगाई थी। हालांकि, अमेरिका के स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव एलेक्स अजार के अनुसार अन्य देशों में इसके तीसरे चरण के परीक्षण जारी हैं। इसी क्रम में ब्राजील में इसका परीक्षण हो रहा था, जहां एक प्रतिभागी की मौत हो गई। बता दें कि इससे पहले जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी ने भी अपनी कोरोना वैक्सीन के ट्रायल पर रोक लगा दी थी। एक प्रतिभागी के बीमार पड़ने के बाद इसका परीक्षण रोक दिया गया था।

रूसी टीके का परीक्षण कर रही भारतीय कंपनी पर साइबर हमला

भारत में रूसी टीके स्पुतनिक-वी का परीक्षण कर रही "डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज" पर साइबर हमला हुआ है। इसके बाद उसने दुनियाभर के सभी डाटा केंद्रों की सेवाओं को बंद कर दिया है।

कंपनी ने गुरुवार को कहा कि उसने साइबर हमले की पहचान किए जाने के बाद बचाव के कदम उठाने के लिए ऐसा किया है। डॉ. रेड्डीज के अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राजील, रूस और भारत में ड्रग प्लांट मौजूद हैं। हाल ही में डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज को रूसी कोरोना वायरस वैक्सीन के ट्रायल को मंजूरी मिली थी।

यहां सफाईकर्मी की नौकरी के लिए मिलेगी 17.5 लाख रुपये महीने की सैलरी, भर्ती के लिए विज्ञापन जारी

लंदन, एजेंसियां। सुनकर कानों पर भले ही यकीन न हो, पर ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ ने बकिंघम पैलेस और विंडसर कैसल में एक महिला सफाईकर्मी की भर्ती के लिए विज्ञापन दिया है। आवेदक को 25 हजार डॉलर (लगभग 17.5 लाख रुपये) मासिक वेतन की पेशकश की गई है। इश्तहार के मुताबिक सफाईकर्मी या तो शाही महल में ही रहकर काम कर सकते है या फिर रोज घर आने-जाने की सुविधा हासिल कर सकते है। उसकी यात्रा से लेकर खाने-पीने तक का खर्च शाही महल उठाएगा।

क्रिसमस के दौरान महिला सफाईकर्मी को सैंड्रिंघम पैलेस तो गर्मियों में बालमोरल कैसल में सेवाएं देनी पड़ सकती हैं। इश्तहार में स्पष्ट किया गया है कि शाही महल की साफ-सफाई और उसे सर्वश्रेष्ठ अंदाज में पेश करने का जिम्मा महिला सफाईकर्मी पर होगा। इच्छुक आवेदक के पास अंग्रेजी और गणित की अच्छी समझ होना अनिवार्य रहेगा। होटल-रिजॉर्ट में काम कर चुके लोगों को वरीयता दी जाएगी। महिला सफाईकर्मी के पद के लिए शाही घराने की आधिकारिक वेबसाइट पर 28 अक्टूबर तक आवेदन भेजे जा सकते हैं।

ट्रंप का आरोप, खराब हवा के लिए कदम नहीं उठा रहे चीन, भारत और रूस

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन, भारत और रूस पर 'दूषित वायु से निपटने के लिए उचित कदम ना उठाने का आरोप लगाते हुए, पेरिस जलवायु समझौते से हटने के अमेरिका के कदम को सही ठहराया। नाश्विले के बेलमॉन्ट विश्वविद्यालय में राष्ट्रपति पद के चुनाव की अंतिम आधिकारिक बहस (प्रेसिडेंशियल डिबेट) के दौरान ट्रंप ने कहा, '' चीन को देखिए, कितना गंदा है। रूस को देखिए , भारत को देखिए, वे बहुत गंदे हैं। हवा बहुत गंदी है। अमेरिका में तीन नवम्बर को राष्ट्रपति चुनाव है। डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के साथ करीब 90 मिनट चली बहस के दौरान ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन के सवाल पर कहा, '' इस प्रशासन के अधीन 35 वर्षों की तुलना में उत्सर्जन की स्थिति सबसे बेहतर है। हम उद्योग के साथ अच्छी तरह से काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' पेरिस समझौते से मैंने हमें इसलिए अलग किया, क्योंकि हमें खरबों डॉलर खर्च करने थे और हमारे साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार हो रहा था। ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन पर पर्याप्त कदम नहीं उठाने के लिए भारत और चीन जैसे देशों पर बार बार आरोप लगाया है और कहा है कि इन देशों में हवा में सांस लेना नामुमकिन है। ट्रंप ने 2017 में अमेरिका को 2015 पेरिस जलवायु समझौते से खुद को अलग कर लिया था। वहीं, बाइडेन ने कहा कि उनके सत्ता में आने पर वह एक बार फिर अमेरिका को इस ऐतिहासिक पेरिस समझौते का हिस्सा बनाएंगे और प्रदूषण के लिए चीन की जवाबदेही तय करेंगे। ट्रंप ने लगातार इस बात पर जोर दिया कि चीन और भारत जैसे देशों को ही पेरिस समझौते से फायदा पहुंच रहा है। वैश्विक स्तर पर वायु प्रदूषण के लिए इन देशों को ही सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। राष्ट्रपति ने आरोप लगाया, '' पर्यावरण और ओजोन की बात करें तो हमारी स्थिति काफी बेहतर है। चीन, रूस, भारत ये सभी देश वायु को दूषित कर रहे हैं। दूसरे नंबर अमेरिका और फिर इस सूची में भारत और यूरोपीय संघ क्रमशः तीसरे तथा चौथे नंबर पर है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब नयी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'बेहद खराब श्रेणी में है।

ब्राजील के राष्ट्रपति के मजाक उड़ाने के बाद चीन ने अपने कोविड-19 टीके का किया बचाव

ब्राजील। चीन ने ब्राजील द्वारा कोविड-19 टीका खरीदने की योजना रद्द किये जाने के एक दिन बाद टीके से संबंधित अपनी अनुसंधान तथा विकास क्षमताओं का बचाव किया है।

ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने बुधवार को चीन के कोविड-19 टीके का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि ब्राजील के लोग ''किसी के लिये गिनी पिग'' नहीं बन सकते।

चीन से टीका खरीदने की योजना रद्द कर दी थी।

बोल्सोनारो के बयान से एक दिन पहले स्वास्थ्य मंत्री एडवर्डो पाजुएलो ने कहा था कि ब्राजील टीकाकरण कार्यक्रम के लिये चीन के 'सिनोवैक' टीके की 4 करोड़ 60 लाख खुराक खरीदना चाहता है। चीन के सिनोवैक टीके का ब्राजील के अनुसंधान केन्द्र बुटानटन इंस्टीट्यूट में परीक्षण किया जा रहा है और इसे मानव शरीर पर इस्तेमाल करने के लिये स्वास्थ्य नियामक की मंजूरी मिलनी बाकी है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान से मीडिया ब्रीफिंग के दौरान जब बोल्सोनारो की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि चीन की टीका अनुसंधान एवं विकास क्षमता दुनियाभर में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि चीन फिलहाल चार टीकों पर काम कर रहा है, जो तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण में पहुंच गए हैं। लिजियान ने कहा, ''चीन की टीका अनुसंधान और विकास क्षमता को कई देशों में चर्चा हो रही है।'' उन्होंने कहा कि चीन दुनियाभर में कोविड-19 टीका वितरित करने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के गठबंधन 'कोवैक्स' का भी हिस्सा है। इससे पहले बोल्सोनारो ने कहा था कि चीन के टीके का परीक्षण अभी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा था, ''मैंने ऐसा टीका नहीं खरीदने का फैसला लिया है।'' गौरतलब है कि ब्राजील कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शुमार है। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के अनुसार, ब्राजील में अब तक लगभग 53 लाख लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जा चुके हैं। संक्रमितों के मामले में वह अमेरिका और भारत के बाद तीसरे स्थान पर है जबकि कोविड-19 से हुई मौतों के मामले में वह अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। ब्राजील में अब तक करीब 1,55,000 लोगों की मौत कोरोना वायरस की वजह से हो चुकी है।

आत्महत्या करनेवाली नर्स पर सीनियर से शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला जाता था

नवसारी के विजलपोर में 28 वर्षीय युवती के आत्महत्या केस में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। युवती नवसारी सिविल अस्पताल में सेवारत थी, जहां उस पर सीनियर से शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला जाता था, जिसकी वजह से आत्महत्या कर लीं।

नवसारी के मूनलाइट एपार्ट. मेंट रहनेवाली मेघा नवसारी के सिविल अस्पताल में बतौर नर्स सेवारत थीं।

डेढ़ साल पहले मेघा की धरमपुर में रहनेवाले अंकित खंभाती के साथ शादी हुई थीं। नवसारी सिविल अस्पताल में नौकरी होने से मेघा अपनी माता के साथ विजलपोर के मूनलाइट एपार्टमेंट में किराए पर रहती थीद्य गुरुवार तड़के मेघा की माता लघुशंका के लिए उठी तब बेटी मेघा को पंखे लटकता देख कांप उठी। मेघा की माता की चीखपुकार सुन आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और विजलपोर पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल से पुलिस को पांच पन्नों की स्युसाइड नोट मिली है, जिसमें मेघा ने सिविल अस्पताल की हेड नर्स पर गंभीर आरोप लगाए थे। स्युसाइड नोट में मेघा ने लिखा कि सिविल अस्पताल की हेड नर्स तारा गामित और वनीता पटेल उसे प्रताड़ित करती थी। अपने सीनियर के साथ शारीरिक संबंध बनाने का भी तारा और वनीता उस पर दबाव डालती थीद्य जिससे तंग आकर उसने आत्महत्या का फैसला किया है।

तंत्र-मंत्र के नाम पर तांत्रिक ने सूरत की युवती से किया दुष्कर्म

सूरत में तंत्र-मंत्र के नाम पर तांत्रिक द्वारा एक युवती से दुष्कर्म की घटना सामने आई है। वर्ष 2017 की इस घटना के बारे में पीड़िता ने अब सूरत के कतारगाम पुलिस थाने में तांत्रिक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। जानकारी के मुताबिक सूरत के कतारगाम निवासी एक युवती साडी में स्टोन लगाकर परिवार को आर्थिक मदद करती थी।

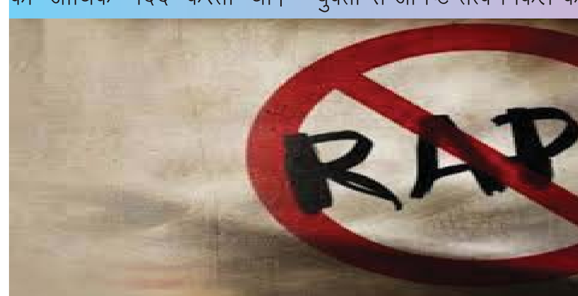

लेकिन उसका काम ठीक से नहीं चल रहा थाद्य जिसे लेकर उसने वडोदरा में रहनेवाले तांत्रिक हिरेन पुरोहित से सम्पर्क किया। वर्ष 2017 में परिवार ने तांत्रिक विधि के लिए हिरेन पुरोहित को सूरत बुलाया। जहां हिरेन पुरोहित कुछ जादू कर परिवार को प्रभावित कर दिया। परिवार को उस पर भरोसा हो गया कि वह उन्हें समस्याओं से मुक्ति दिलाएगा। हिरेन पुरोहित ने परिवार के सभी सदस्यों पर विधि की और उसके बदले में रुपए भी लिएद्य आखिर में युवती पर विधि करने के लिए हिरेन पुरोहित ने कहा कि यह काम एकांत करना होगा। क्योंकि विधि के दौरान युवती से अनिष्ट तत्व निकल कर दूसरे को चिपक सकते हैं। परिवार ने कोई आपत्ति नहीं की तो तांत्रिक ने युवती को अलग कमरे में बुलाया। जहां विधि करने के बाद उसे नशायुक्त प्रसाद खिला दिया। जिसके खाते ही युवती बेहोश हो गई। युवती के बेहोश होने के बाद तांत्रिक ने उसके साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया, बल्कि अश्लील तस्वीरें भी खींच लीं। युवती को इस बारे में पता चला तो उसने परिवार की इज्जत बचाने तांत्रिक के साथ शादी करने का फैसला कर लिया। तांत्रिक हिरेन पुरोहित ने खुद कुंवारा बताया था। हांलाकि परिवार बेटी का तांत्रिक से शादी करने को तैयार नहीं था। जिससे युवती ने तांत्रिक के साथ भाग जाने की धमकी दी थी। आखिर युवती की तांत्रिक के साथ शादी हो गई। युवती को जब तांत्रिक के शादीशुदा होने का पता चला तो उसने 2019 में उससे तलाक ले लियाद्य इस बीच युवती को पता चला कि भावनगर की एक महिला ने तांत्रिक के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिससे सूरत की पीड़ित युवती की हिम्मत बढ़ी और उसने कतारगाम पुलिस थाने में वडोदरा के तांत्रिक हिरेन पुरोहित के खिलाफ शिकायत कर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

सार-समाचार

6 घंटों में भूकंप के 10 झटकों से थर्राया सौराष्ट्र और कच्छ

सौराष्ट्र और कच्छ में 6 घंटों के भीतर भूकंप के 10 झटके महसूस किए गए। पोरबंदर में 7, जामनगर के लालपुर में 2 और कच्छ में भूकंप के एक झटके से लोगों में दहशत फैल गईद्य राहत बात यह है कि भूकंप के झटकों से जान माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। जामनगर और पोरबंदर में 1.7 से 2.4 की तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। जामनगर में रात 12.39 बजे 2.1 की तीव्रता का, 12.34 बजे 2.4 तीव्रता, 1.26 बजे 2.4 तीव्रता, 2.07 बजे 2.0 तीव्रता, 2.13 बजे 1.7 तीव्रता, 2.54 बजे 2.9 तीव्रता और रात 2.59 बजे 2.9 की तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गयाद्य जामनगर के लालपुर में रात 2.21 बजे 1.9 और 2.59 बजे 2.1 की तीव्रता का भूकंप का झटका लगाद्य हांलाकि भूकंप के झटकों से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ। गौरतलब है गत 16 जुलाई को राजकोट में 4.8 की तीव्रता वाले भूकंप के झटका महसूस किया गया था। जिसका केन्द्र बिन्दू राजकोट से करीब 22 किलोमीटर दूर था। राजकोट के कोटडासांगाणी तहसील में भूकंप का झटका लगा थाद्य तड़के आए करीब 4 सैंकड के इस भूकंप के झटके से लोगों में दहशत फैल गई और लोग घरों से बाहर निकल आए थे।

किसान आंदोलन के कारण बांद्रा-जम्मूतवी स्पेशल 31 अक्टूबर तक निरस्त

अहमदाबाद, पंजाब में चल रहे किसान आंदोलन के कारण पश्चिम रेलवे द्वारा चलाई जा रही फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन नंबर 09027 बांद्रा – जम्मूतवी स्पेशल 24 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2020 तक तथा ट्रेन नंबर 09028 जम्मूतवी – बांद्रा स्पेशल 26 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020 तक निरस्त रहेगी।

राज्य में कोरोना का आंकड़ा 1.65 लाख के पार, 1112 नए केस, 6 की मौत

अहमदाबाद, राज्य में 1112 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 1.65 लाख को पार कर गया है। 24 घंटों में 1264 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है और 6 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य में स्वस्थ होने का दर 89.31 प्रतिशत है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 169, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 166, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 80, सूरत में 70, राजकोट कॉर्पोरेशन में 70, वडोदरा में 41, राजकोट में 38, जामनगर कॉर्पोरेशन में 37, मेहसाणा में 37, साबरकांठा में 34, भरुच में 24, बनासकांठा में 23, पाटन में 21, सुरेन्द्रनगर में 21, गांधीनगर में 20 और नर्मदा में 20 समेत राज्यभर में कोरोना के 1112 नए केस दर्ज हुएद्य जबकि 1264 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो गए। इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन और सूरत कॉर्पोरेशन में 2-2, बनासकांठा और गांधीनगर में 1-1 समेत 6 लोगों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज 52947 समेत राज्यभर में अब तक 5638392 लोगों का टेस्ट किया गया। जिसमें 165233 कोरोना संक्रमित मरीज मिले। इनमें से 147572 मरीज कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं, जबकि 3676 मरीजों की मौत हो गई। राज्य में फिलहाल 13985 एक्टिव केसों में 13916 मरीज स्टेबल हैं और 69 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 533892 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। जिसमें 533639 होम कोरन्टाइन और 253 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

ट्रेंट बोल्ट की घातक गेंदबाजी के बाद ईशान की तूफानी बल्लेबाजी, 10 विकेट से जीता मुंबई

शारजाह, आईपीएल 20 – 20 क्रिकेट के एक मैच में मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 10 विकेट से पराजित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 114 रन बनाए। जवाब में मुंबई इंडियंस ने 12.2 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 116 रन बना कर लक्ष्य हासिल कर लिया।

मुंबई की जीत की इबारत तो ट्रेंट बोल्ट ने 4 ओवर में 18 रन देकर चार विकेट लेते हुए पहले ही लिख दी थी। इसके बाद मुंबई की तरफ से लक्ष्य का पीछा करने आए ओपनर क्विंटन डी कॉक और ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। दोनों ने मिलकर मैदान में चारों तरफ बेहतरीन स्ट्रोक लगाए और 12.2 ओवर में ही अपनी टीम को बिना कोई विकेट खोए जीत दिला दी। क्विंटन डी कॉक ने 37 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के की सहायता से 46 रन की पारी खेली। ईशान किशन ने 37 गेंदों में छह चौके और 5 छक्के की सहायता से 68 रन की तूफानी पारी खेलकर जीत को आसान कर दिया। चेन्नई के गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए और असहाय नजर आए।

इससे पहले मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 114 रन का मामूली स्कोर बनाया। मुंबई ने टॉस जीतकर चेन्नई को बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया। चेन्नई की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ाती नजर आई। शुरुआती चार विकेट पर 3 रन के भीतर ही गिर गए थे।

ऋतुराज गायकवाड पहले ओवर में ही बिना कोई रन बनाए आउट हो गए। उन्हें ट्रेंट बोल्ट ने एलबीडब्ल्यू किया। अंबाती रायडू 2 रन बनाकर बुमराह की गेंद पर क्विंटन डी कॉक को कैच दे बैठे। नारायण जगदीशन 1 रन बनाकर बुमराह की गेंद पर सूर्यकुमार यादव द्वारा कैच आउट कर दिए गए। फाफ डू प्लेसिस भी 1 रन पर ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर क्विंटन डिकॉक को कैच दे बैठे। रवींद्र जडेजा 7 रन बनाकर ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर कुणाल पंड्या द्वारा लपक लिए गए। उस समय 30 रन बने थे और 6 विकेट गिर गए थे। कप्तान धोनी ने सैम करन के साथ मिलकर पारी संभालने की कोशिश की।

कभी मोपेड खरीदने के लाले थे, आज करोड़ों के असामी हैं हार्दिक पटेलः भाजपा

गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील को लेकर कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हार्दिक पटेल की टिप्पणी को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया है। गुजरात भाजपा के प्रवक्ता प्रशांत वाला ने हार्दिक पटेल के बयान को लेकर कहा कि सीआर पाटील पर कांग्रेस के उस किराये के कार्यकारी अध्यक्ष ने गैरजिम्मेदारा बयान दिया है, जिसमें नगर पालिका का एक सामान्य चुनाव जीतने की क्षमता नहीं है। ऐसे लोग भाजपा के प्रतिभाशाली दीर्घकालीन

राजनीतिक अनुभव और तीन दशकों से जनहित और समाज सेवा में कार्यरत सीआर पाटील के लिए बेबुनियाद, वाहियात आरोप लगाते हैं। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष को याद रखना चाहिए कि सूर्य पर थूंका गया थूंक अपने पर ही गिरता है। प्रशांत वाला ने कहा कि कांग्रेस के किराए के कार्यकारी

अध्यक्ष के चाल, चलन और चरित्र पूरे गुजरात की जनता देखा है। एक समय था जब हार्दिक पटेल की मा. पेड खरीदने की क्षमता नहीं थी और आज वह करोड़ों में लोट रहे हैं। गुजरात के भोलेभाले पाटीदा समाज से विश्वासघात कर और लाखों युवकों को गुमराह कर करोड़ों की संपत्ति एकत्र करनेवाले हार्दिक पटेल के पास इतने रुपए आए कहां से? इसका हार्दिक पटेल को गुजरात की जनता को बताना चाहिएद्य उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विदेशी हैं और गुजरात के कार्यकारी अध्यक्ष किराये के हैं। ऐसे कांग्रेसियों को जनसेवा, प्रमाणिकता, देशभक्ति, निष्ठा जैसे शब्दों से कोई लेना देना नहीं है। जो गुजरात में हमेशा जाति-पाति के बीच वैमनस्य पैदा करते हैं, ऐसे लोग कांग्रेस के अध्यक्ष बन बैठे हैं। जिसकी वजह से कई युवकों की जान चली गई, ऐसे व्यक्ति को कांग्रेस ने अध्यक्ष बनाया है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

''वेक्सीन फोर वोट'' पर कांग्रेस ने कहा दृ भाजपा जनता को मूर्ख समझती है

गुजरात कांग्रेस ने ''वेक्सीन फोर वोट'' को लेकर भाजपा पर कड़े प्रहार किए हैं। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता जयराजसिंह परमार ने कहा कि अब तक ''नोट फोर वोट'' सुना था, लेकिन ''वोट फोर वेक्सीन'' पहली बार सुना है। कोरोना के खिलाफ वेक्सीन आए या नहीं, परंतु जनता ने भाजपा नामक रोक वापस नहीं आए, इसकी दवाई बना ली है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बिहार चुनाव में मुफ्त वेक्सीन देने का ऐलान किया हैं। क्या भाजपा जनता को मूर्ख समझती है? भूतकाल में कांग्रेसी सरकारों के दौरान पोलियो समेत अन्य कई टीकाकरण के लिए कभी लोगों से पैसे नहीं लिए गए। सरकारें टीकाकरण मुफ्त करती है। भाजपा जनता को मूर्ख बनाने के प्रयास छोड़ देने चाहिए। परमार ने कहा कि कोरोना की दवाई आए या नहीं, जनता ने भाजपा के खिलाफ दवाई बना ली है।

बिहार हो या पश्चिम बंगाल हो या फिर गुजरात के उपचुनाव में जनता इस दवाई का उपयोग करेगी।

ताकि भाजपारूपी रोग को भगाया जा सके।

उप मुख्यमंत्री ने अंबाजी में नवनिर्मित अतिथि भवन का लोकार्पण किया

बनासकांठा उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने आज शक्तिपीठ अंबाजी में 15 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित अतिथि भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर नितिन पटेल ने कहा कि विख्यात यात्राधाम अंबाजी में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं और इन श्रद्धालुओं को नवनिर्मित अतिथि गृह में श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उन्होंने कहा कि नए अतिथि भवन से अंबाजी यात्राधाम की सुविधा में वृद्धि हुई है।

उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि बनासकांठा जिले के लाखणी से थराद तक सड़क को फोर लेन बनाया जाएगा।

पालनपुर आरटीओ सर्कल के निकट गुजरात का विशिष्ट रेलवे ऑवर ब्रिज बनाया जाएगा। सरकार द्वारा विशेष आयोजन और बड़ी रकम का आवंटन कर राज्य के यात्राधामों को सुविधाजनक बनाया गया है। राज्य के सभी यात्राधामों को जोड़ने वाली सड़कों को फोर लेन बनाने का काम 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। अच्छी सड़कों से विकास यात्रा में तेजी आएगी और लोगों की आय, सुविधा और सुखाकारी में वृद्धि होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों और पशुपालकों की आय दोगुनी करने सरकार सक्रिय और संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि दूध के पाउडर कीमत घटने से पशुपालकों को हित में सरकार दूध पावडर निकास में प्रति किलो रु. 50 की सब्सिडी देगी। सरकार किसानों के हितों की चिंता करते हुए उदारता से सहयोग करती है।

सरकार किसानों की आय और सुखाकारी में वृद्धि के लिए रात दिन प्रयास कर रही है। नितिन पटेल ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास सूत्र के आधार पर सरकार परिणामदायी प्रयास कर रही है। नतीजतन राज्य में सभी क्षेत्रों में विकास कूच सरलता से आगे बढ़ रही है। राज्य में सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, औद्योगिक एवं कृषि समेत सभी क्षेत्रों में रिकार्ड विकास से जनता सुशासन और विकास का अहसास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के अथक प्रयासों और लोगों के सहयोग से कोरोना वायरस के संक्रमण और तीव्रता में कमी आई है। अस्पताल में बिछौने अब खाली पड़े हैं। लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए सरकार सक्रिय प्रयास कर रही है। कोरोना के खिलाफ जंग में अभूतपूर्व और सराहनीय योगदान

पीएम मोदी आज गुजरात के तीन महत्वपूर्ण प्रकल्पों का वर्चुअली लोकार्पण करेंगे

अहमदाबाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को दिल्ली से गुजरात के महत्वपूर्ण प्रकल्पों का वर्चअल उदघाटन करेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और ऊर्जा मंत्री सौरभभाई पटेल जूनागढ़ में जबकि उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल और राजस्व मंत्री कौशिकभाई पटेल अहमदाबाद में उपस्थित रहेंगे। इन प्रकल्पों में एशिया के सबसे बड़े सिविल हॉस्पिटल, अहमदाबाद परिसर में कार्यरत यूएन मेहता हार्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट शामिल हैद्य जिसे 470 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक उपकरणों व उपचार सुविधा से सुसज्जित किया गया है।

850 बिस्तरों की क्षमता वाले इस हॉस्पिटल में हृदय रोग का श्रेष्ठ उपचार सेवाएं मुहैया कराई जाती हैं। इसके अलावा, छोटे बच्चे और ऐसे नवजात शिशु जो पैदा होते ही हृदय की बीमारी से पीड़ित होते हैं उनके लिए हृदय रोग के उपचार की अलग और विशिष्ट व्यवस्था इस हॉस्पिटल में स्थापित की गई है ।

जिसका प्रधानमंत्री लोकार्पण करेंगे। शनिवार को ही प्रधानमंत्री देश के सबसे बड़े गिरनार रोप-वे

का उद्घाटन भी दिन करेंगे। गिरनार की चोटी पर स्थित भगवान दत्तात्रेय के दर्श के लिए 10 हजार से अधिक सीढ़ियां चढ़कर जाना पड़ता था। अब इस रोप-वे के जरिए तीर्थयात्रियों, बुजुर्गों और बच्चों को रोप-वे के जरिए सीधे चोटी तक पहुंचने में आसानी रहेगी। इसके साथ ही गुजरात के गौरव एशियाई शेरों को देखने के लिए प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में गुजरात आने वाले पर्यटकों के लिए यह रोप-वे नया नजराना बनेगा। रोप-वे के माध्यम से गिरनार के जंगलों को देखने का अद्भुत आनंद पर्यावरण प्रेमियों को मिलेगा

जिससे राज्य के पर्यटन उद्योग को गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार का भी सृजन होगा। इसके अलावा पीएम मोदी 'किसान सूर्योदय योजना' का शुभारंभ करेंगे।

खेतीबाड़ी में सिचाई सुविधा के लिए दिन में बिजली आपूर्ति करने की राज्य के किसानों की बरसों पुरानी मांग भी सरकार ने सफलतापूर्वक पूरी की है। पहले चरण में पाटण, गिर सोमनाथ और दाहोद जिले के लगभग दो से तीन हजार गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए दिन में बि. जली आपूर्ति करने वाली 'किसान सूर्योदय योजना' का भी इसी दिन प्रधानमंत्री शुभारंभ करेंगे।

कुल मिलाकर, राज्य के नागरिकों को स्वास्थ्य, पर्यटन और किसानों की सिंचाई सुविधा के इन प्रकल्पों के लोकार्पण से राज्य के नागरिकों की सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

डबल मर्डर के आरोपी और उसके एक बेटे की उपचार के दौरान मौत

राजकोट गृहक्लेश को लेकर गुरुवार को पत्नी और उसके मामा की हत्या के आरोपी और एक बेटे की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई थी।

मृतक ने गुरुवार को पत्नी और उसके मामा की तीक्ष्ण हथियार से गोदकर हत्या कर दी थी और

उसके अपने बाद अपनी दो संतानों के साथ जलकर आत्महत्या का प्रयास किया था।

गंभीर हालत में आरोपी समेत उसकी दो संतानों को अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां आरोपी और बेटे की मौत हो गई।

जबकि बेटी की हालत गंभीर बताई गई है। राजकोट निवासी इमरान पठान और उसकी पत्नी नाजिया के बीच आए दिन लड़ाई झगडे होते रहते, जिसकी वजह से दोनों तलाक लेने का फैसला किया था।

कोर्ट में तलाक का केस चल रहा था, लेकिन दो बच्चों की कस्टडी को लेकर दोनों के बीच फिर झगड़ा हुआ।

इमरान की पत्नी नाजिया ने आज 181 अभयम से संपर्क किया थाद्य जिसके बाद नाजिया, उसकी माता फिरोजा पठान और मामा नजीर पठान को महिला पुलिस थाने बुलाया गया था।

पुलिस थाने से तीनों जब लौट रहे थे, तब जंक्शन प्लोट क्षेत्र की रुखडिया कॉलोनी में इमरान पठान ने तीनों पर तीक्ष्ण हथियार से हमला कर दिया।

इस हमले में इमरान की पत्नी नाजिया और उसके मामा की मौत हो गई।

जबकि नाजिया की मां फिरोजा पठान गंभीर रूप से घायल हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू कर दी।

दूसरी और हमले के बाद इमरान पठान ने दो संतानों के साथ जल कर आत्महत्या का प्रयास किया। आग में गंभीर रूप से झुलसे तीनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में डबल मर्डर के आरोपी इमरान पठान और उसके एक पुत्र की मौत हो गई। जबकि दूसरी संतान की हालत नाजुक बनी हुई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मौसम विभाग ने जारी की चेतावरी! खाड़ी में बढ़ा दबाव, पूर्वोत्तर में भारी वर्षा होने की संभावना

नयी दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के चक्रवात चेतावनी संभाग ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी में गहरे दबाव का क्षेत्र बनने से शुक्रवार को त्रिपुरा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, असम और मेघालय में भारी वर्षा होगी। विभाग ने कहा कि शुक्रवार को गहरे दबाव के क्षेत्र के सागर द्वीपों (पश्चिम बंगाल) और खेपुपारा (बांग्लादेश) के बीच सुंदरवन के ऊपर पश्चिम बंगाल और समीप के बांग्लादेश के तट को पार करने की संभावना है। उसने कहा, '' इसके चलते अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा तथा त्रिपुरा में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, दक्षिण असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत अधिक वर्षा की संभावना है।'' गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवातीय परिचक्रण है और उसके फलस्वरूप तेज आंधी आती है और भारी वर्षा होती है। इस गहरे दबाव के 24 अक्टूबर तक कम होने की उम्मीद है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्टरी में हुआ बड़ा विस्फोट, पांच लोगों की मौत, कई घायल

मदुरै (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के मदुरै में शुक्रवार को एक निजी पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोटों में तीन महिलाओं समेत कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के हवाले से बताया कि रसायनों को मिलाते समय घर्षण के चलते आग लग गई, जिससे सिलसिलेवार धमाके हुए और फैक्टरी की इमारत को नुकसान हुआ है। इस दौरान पीड़ितों की झुलसकर मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि सात अन्य कर्मी सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। अग्निशमन विभाग की विरुधुनगर और श्रीविल्लीपुतूर इकाईयों की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। द्रमुक के अध्यक्ष एम के स्टालिन ने दुर्घटना में हुई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए सरकार से दिवाली से पहले पटाखा फैक्टरियों में सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने मृतकों के परिजन को पर्याप्त मुआवजा देने की भी मांग की।

हेलीकॉप्टर घोटाला: कोर्ट ने बिचौलिये राजीव सक्सेना को दी अंतरिम जमानत

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दुबई के कारोबारी और 3,600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाला मामले में कथित बिचौलिये राजीव सक्सेना को शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी। अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 11 दिसंबर तक के लिए दो लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही जमानत राशि पर उन्हें अंतरिम जमानत दे दी। हालांकि केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उनकी नियमित जमानत याचिका का विरोध किया और इस संबंध में जवाब दायर करने के लिए समय देने का अनुरोध किया। विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार ने अन्य कथित बिचौलिये संदीप त्यागी और अन्य को दो लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही जमानत राशि पर नियमित जमानत दे दी।

भारत सोमालिया में फंसे 33 भारतीयों की राहत और वापसी पर कर रहा काम: जयशंकर

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत सोमालिया में फंसे 33 भारतीयों को राहत प्रदान करने और उनकी वापसी के लिए काम कर रहा है और नैरोबी स्थित उच्चायोग ने इस सिलसिले में सोमालियाई अधिकारियों के साथ बातचीत की है। उत्तर प्रदेश के 25 श्रमिकों सहित 33 भारतीय मजदूरों को सोमालिया में एक कंपनी ने कथित तौर पर पिछले आठ महीनों से बंधक बना रखा है। वे 10 महीने पहले कंपनी में शामिल हुए थे। पहले दो महीनों में, कंपनी ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया, लेकिन पिछले आठ महीनों से श्रमिकों को कथित तौर पर उनका वेतन नहीं दिया गया। जयशंकर ने एक ट्वीट में कहा कि सरकार भारत में सोमाली दूतावास के भी संपर्क में है। विदेश मंत्री ने कहा कि विदेश मंत्रालय और नैरोबी में हमारे उच्चायोग सोमालिया के मोगादिशु में फंसे 33 भारतीयों की राहत और वापसी पर काम कर रहे हैं। उच्चायुक्त ने सोमालियाई अधिकारियों के साथ अपनी चिंताओं को रखा है। हम भारत में सोमाली दूतावास के भी संपर्क में हैं। शीघ्र समाधान की उम्मीद है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता और खराब हुई, कई क्षेत्रों में हवा 'गंभीर श्रेणी' में

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कई क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' श्रेणी में पहुंचने के बाद शुक्रवार को वायु की गुणवत्ता में और भी गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 374 दर्ज किया गया जो कि एक दिन पहले 302 था।पृथ्वी विज्ञान की वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली 'सफर' के मुताबिक दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बेहद खराब' श्रेणी में है। उल्लेखनीय है कि 0 और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बेहद खराब और 401 और 500 गंभीर माना जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से विकसित समीर ऐप के अनुसार दिल्ली में 10 निगरानी केंद्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया है। अलीपुर में यह सूचकांक 447, शादीपुर में 441, मुंडका में 419, वजीरपुर में 432, आनंद विहार में 405, बवाना में 413, विवेक विहार में 422, रोहिणी में 401, जहांगीरपुरी में 418 और पटपड़गंज में 405 दर्ज किया गया।

राज्यसभा चुनाव में 10वीं सीट के लिए जोर आजमाइश करेगी बसपा, 8 सीटों पर भाजपा की जीत लगभग तय

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में अगले माह नौ नवंबर को राज्यसभा की 10 सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) दसवीं सीट पर जोर-आज़माइश के लिए तैयार दिख रही है। हालांकि, उसके पास चुनाव जीतने के लिए अपेक्षित संख्या बल का अभाव है। सूत्रों के मुताबिक बसपा ने अपने राष्ट्रीय समन्वयक रामजी गौतम को चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है जो सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। बसपा के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि रामजी गौतम ने दस विधायकों के हस्ताक्षर के जरिये अपना नामांकन पत्र प्राप्त कर लिया है और सोमवार को उसे दाखिल करेंगे।

राज्यसभा के चुनाव में संख्या बल के आधार पर आठ सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एकतरफा जीत दिख रही है जबकि एक सीट पर आराम से समाजवादी पार्टी (सपा)को जीत मिल जाएगी। कांग्रेस और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जैसे दल मिलकर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं हैं। बसपा नेता का कहना है कि अगर सभी मिलकर भाजपा को रोकना चाहते हैं तो वे हमारा समर्थन करेंगे। हालांकि, इस संदर्भ में अभी तक उनसे हमारी कोई चर्चा नहीं हुई है। इस बीच विधानसभा सचिवालय ने पुष्टि की कि रामजी गौतम के नाम पर बसपा ने नामांकन पत्र लिया है।

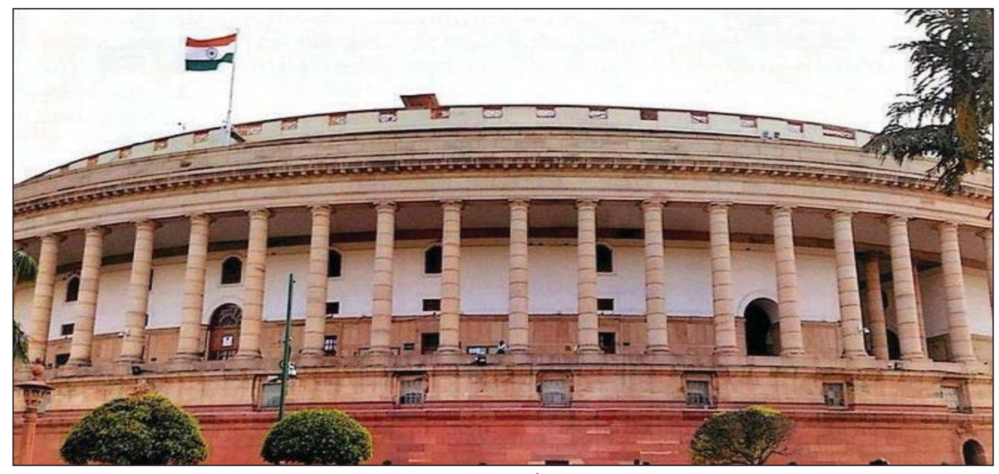

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में मौजूदा समय में भाजपा के 304 सदस्य हैं जबकि भाजपा को समर्थन दे रहा अपना दल (सोनेलाल) के पास नौ विधायक हैं। भाजपा आठ सीट आसानी से जीत सकती है जबकि नौवीं पर भी उसकी नजर टिकी है। विधानसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी सपा अपने 48 सदस?यों की बदौलत एक सीट आसानी से जीत सकती है जबकि उसके बचे हुए वोट भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस बीच बुधवार को सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर राम गोपाल यादव ने पार्टी उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिया।

विश्लेषकों का कहना है कि इससे साफ है कि अब सपा सिर्फ एक सीट पर ही लड़ेगी और अपने बचे वोटों से वह कोई नया समीकरण बना सकती है। उत्तर प्रदेश कोटे से राज्यसभा में 25 नवंबर को रिक्त होने वाली दस सीटों में इस समय भाजपा के पास तीन, सपा के पास चार, बसपा के पास दो और कांग्रेस के पास एक सीट है। विधानसभा सचिवालय के एक अधिकारी के अनुसार 403 सदस्यों वाले सदन में मौजूदा समय में 395 सदस्य हैं। राज्यसभा सीट जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 37 विधायकों के मतों को प्राप्त करना जरूरी है।

सदन में भाजपा के 304 और सपा के 48 सदस्यों के अलावा बसपा के 18, अपना दल (एस) के नौ, कांग्रेस के सात, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के चार और अन्य छोटे दलों समेत पांच निर्दलीय विधायक हैं। राज्य में विधानसभा की सात सीटों के लिए चल रहे उप चुनाव में तीन नवंबर को मतदान होना है, जिसके नतीजे दस नवंबर को घोषित होंगे। उत्तर प्रदेश के कोटे से 25 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे दस राज्यसभा सदस्यों में भाजपा के तीन - केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, अरुण सिंह और नीरज शेखर शामिल हैं।

समाजवादी पार्टी के प्रोफेसर राम गोपाल यादव, चंद्रपाल सिंह यादव, राम प्रकाश वर्मा और जावेद अली खान और बसपा के राजाराम और वीर सिंह के कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इनके साथ ही कांग्रेस के पीएल पूनिया का भी कार्यकाल पूरा हो रहा है।

महबूबा मुफ्ती को मंजूर नहीं देश का तिरंगा, कहा- कश्मीर के अलावा कोई दूसरा झंडा नहीं उठाऊंगी

श्रीनगर। काफी दिनों से मीडिया से दूर रहीं जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। इस मौके पर महबूबा मुफ्ती ने दावा किया कि वह 370 को वापस लेकर रहेंगी। उन्होंने जम्मू कश्मीर के झंडे को दिखाते हुए कहा कि मेरा झंडा तो यह है, हम तिरंगा तब ही उठाएंगे जब यह झंडा हमारा वापस आ जाएगा। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि जब तक हमारा झंडा वापस नहीं मिल जाता तब तक हम किसी और झंडे को नहीं उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इसी झंडे (जम्मू कश्मीर के झंडे को दिखाते हुए) ने तिरंगे के साथ हमारे रिश्ते को मजबूत किया है।

आज बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 के हटाने का जिक्र किया। इस पर महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उनके पास वोट मांगने के लिए कुछ और दिखाने को नहीं है। वे कहते हैं कि जम्मू-कश्मीर में आप जमीन खरीद सकते है। हमने धारा 370 हटा दिया है। अब वह मुफ्त में टिके भी देंगे। महबूबा ने साफ कहा कि यह सरकार देश के मुद्दों को हल करने में विफल रही है।

कांग्रेस एक डूबता जहाज, किसानों का अपने फायदे के लिए कर रही है इस्तेमाल: स्मृति ईरानी

मोरबी (गुजरात)। (एजेंसी)।

केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को विपक्षी दल कांग्रेस को एक डूबता हुआ जहाज करार देते हुए उन पर किसानों और उनके मुद्दों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष रूप से वार करते हुए उन्होंने कहा कि कोई नहीं बता सकता कि वह कब छुट्टियों पर चले जाए। ईरानी मोरबी से भाजपा के उम्मीदवार बृजेश मेरजा के लिए प्रचार करने यहां पहुंची हैं। मोरबी गुजरात के आठ विधानसभा क्षेत्रों में से एक हैं, जहां तीन नवम्बर को उप चुनाव होना है। ईरानी ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, '' कांग्रेस को यह फैसला करने की जरूरत है कि उनका नेता कौन है। वह एक शख्स है या एक परिवार? राजनीति में, अगर आप एक परिवार के मोह में अंधे हैं तो गरीबों और मध्यमवर्ग के नागरिकों का दुख नहीं समझ सकते। क्योंकि कांग्रेस एक डूबता जहाज है, इसलिए मुझे आश्चर्य है कि वह मोरबी के लोगों की मदद कैसे कर पाएगी?''

उन्होंने कहा कि आज जब कोरोना वायरस फैला है, कांग्रेस का एक नेता लोगों के बीच नहीं है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा कार्यकर्ता हर पल लोगों के साथ रह रहे हैं। कपड़ा तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री ने गांधी का नाम लिए बिना कहा, '' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संसद में भी मौजूद नहीं थे, वह छुट्टियों पर गए थे। वह तब वहां नहीं थे जब लोगों को उनकी जरूरत थी।'' उन्होंने कहा, '' कोई नहीं बता सकता,जिन्हें पार्टी की कमान सौंपने की योजना बनाई जा रही है, वह कब छुट्टियों पर चले जाएं। उन्हें पता है उनकी पार्टी डूब रही है, तब भी वह छुट्टियों पर चले जाते हैं। ऐसी पार्टी पर अपना वोट बर्बाद ना करें। भाजपा का समर्थन करें , जिसने हमेशा आपकी सेवा की है।''

किसानों के मुद्दे पर ईरानी ने दावा किया कि जब इस मुद्दे पर चर्चा की गई तब राहुल गांधी संसद में मौजूद तक नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया, '' वे स्वार्थी लोग हैं। वे हमेशा किसानों की बात करते हैं, लेकिन पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और अमेठी के पूर्व सांसद जब इस मुद्दे पर चर्चा हुई तब संसद में मौजूद तक नहीं थे। कांग्रेस ने हमेशा किसानों का इस्तेमाल किया है।'' कांग्रेस विधायकों के इस साल की शुरुआत में राज्यसभा चुनाव से पहले इस्तीफा देने की वजह से गुजरात में उप चुनाव कराए जा रहे हैं।

लॉकडाउन में पैदल चलने वाले मजदूरों की बात गोल कर गए प्रधानमंत्री: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली जनसभा के बाद शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अपने भाषण में 'अनियोजित लॉकडाउन' के समय पैदल चल कर घर पहुंचने वाले मजूदरों की बात गोल कर गए। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, '' माननीय मोदी जी, मोदी सरकार के अनियोजित लॉकडाउन में हज़ारों किलोमीटर पैदल चल कर बिहार आए प्रवासी मज़दूरों की बात गोल कर गए। पांव में छाले, भूखे प्यासे। आपकी सरकार से लठियां खाई अलग से।'' उन्होंने दावा किया, ''जुमला फेंक कर सोचते हैं, सब पाप धुल गए। मजदूर और बिहार सब याद रखेंगे।'' गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहली रैली को रोहतास में संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 370 और कृषि संबंधी तीन नये कानून पर कांग्रेस सहित विपक्ष के रुख की कड़ी आलोचना की और साथ ही साफ शब्दों में कहा कि देश अपने फैसलों से पीछे नहीं हटेगा। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा, ''देश, जहां संकट का समाधान करते हुए आगे बढ़ रहा है, ये लोग देश के हर संकल्प के सामने रोड़ा बनकर खड़े हैं।

अरविंद केजरीवाल ने एलएनजेपी अस्पताल में नये ब्लॉक की आधारशिला रखी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में 1,500 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक ब्लॉक के निर्माण के लिए शुक्रवार को आधारशिला रखी। दिल्ली सरकार द्वारा संचालित इस अस्पताल में इस समय दो हजार बिस्तर हैं, जिनमें से सभी कोरोना वायरस रोगियों के लिए समर्पित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने एलएनजेपी के ''कोरोना योद्धाओं'' की प्रशंसा भी की, जो या तो अपनी जान गंवा चुके हैं या अपनी सेवाएं जारी रखे हुए हैं। अस्पताल परिसर में इस 25 मंजिला ब्लॉक की आधारशिला रखने के बाद केजरीवाल ने कहा कि राजधानी के लोगों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिलनी चाहिए। इस मौके पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''25 मंजिलों वाला यह अत्याधुनिक ब्लॉक पूरी तरह से वातानुकूलित होगा और साथ ही इसमें मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और अन्य सुविधाएं होंगी। इस ब्लॉक के निर्माण से एलएनजेपी अस्पताल में बिस्तरों की संख्या 3,500 हो जायेगी और अस्पताल के एक अन्य ब्लॉक में भी 300 और बिस्तर बनाये जा रहे हैं। इसलिए बिस्तरों की कुल संख्या 3,800 हो जायेगी और इस तरह एलएनजेपी अस्पताल देश में सबसे बड़े अस्पतालों में से एक होगा।'' उन्होंने बताया कि 1,500 बिस्तरों वाले नये ब्लॉक पर लगभग 450 करोड़ रुपये का खर्च आने की उम्मीद है और सभी सुविधाओं से युक्त एक बिस्तर बनाने का खर्चा लगभग 30 लाख रुपये है।'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पिछले पांच वर्षों में उनकी सरकार ने समय से पहले विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं को पूरा किया और पैसा बचाया। केजरीवाल ने कहा, ''एलएनजेपी के नये ब्लॉक का निर्माण 30 महीने में पूरा हो जायेगा। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री (सत्येंद्र जैन) बता रहे हैं कि इसका निर्माण दो साल यानी केवल 24 महीने में ही कर लिया जायेगा।

राजभर ने लगाया भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह पर जातीय हिंसा भड़काने का आरोप

बलिया। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह पर जातीय हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए दावा किया है कि मुख्तार अंसारी व अतीक अहमद से बड़े माफिया सत्तारूढ़ दल में हैं। ओमप्रकाश राजभर शुक्रवार को बलिया जिले के रेवती थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर गांव में गये थे, जहां विगत 15 अक्टूबर को सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के चयन के दौरान हुए विवाद में में जय प्रकाश पाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दुर्जनपुर में पाल परिवार से मिलने के बाद ओमप्रकाश राजभर ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दुर्जनपुर हत्याकांड में मुख्य आरोपी धीरेंद्र प्रताप सिंह का बचाव कर रहे भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह पर जातीय हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए दावा किया है कि सुरेंद्र सिंह भाजपा के इशारे पर लगातार बेतुका बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि सुरेंद्र सिंह के स्थान पर किसी दूसरे दल के नेता ने बयानबाजी कर दिया होता तो अब तक उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज हो गया होता। उन्होंने आरोप लगाया कि हाथरस कांड से लेकर बलिया जिले के दुर्जनपुर कांड तक भाजपा अपने नेताओं को बचाने के लिए घटना को उलझा रही है। राजभर ने कहा कि दुर्जनपुर में अधिकारियों की मौजूदगी में हुई हत्या की घटना दिल दहला देने वाली है।अपराधी को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध में कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा में मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद व आजम खान से बड़े माफिया हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वादा, हर पुलिस थाने में महिलाओं के लिए बनेंगे 'सीक्रेट रूम'

लखनऊ। (एजेंसी)।

मिशन शक्ति अभियान के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को हर थाने में एक 'सीक्रेट रूम' बनवाने के निर्देश दिए जो पूरी तरह से पारदर्शी व सभी बुनियादी सुविधाओं से लैस होंगे। इसमें पीड़ित महिला, महिला पुलिस कर्मी से बिना संकोच अपनी बात कह सकेंगी। यही नहीं महिला हेल्प डेस्क या 'सीक्रेट रूम' में दिखने वाली किसी जगह पर वह सारे नंबर (1090, 181, 112,1076,1098, और 102) लिखें रहेंगे जिन पर कोई महिला जरूरत पर मदद के लिए कॉल कर सके। नंबरों के साथ इनका दुरुपयोग करने वालों के लिए चेतावनी भी अनिवार्य रूप से अंकित की जाएगी। एक सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री शुक्रवार को यहां मिशन शक्ति अभियान के तहत प्रदेश के सभी 1,535 थानों पर स्थापित होने वाले महिला हेल्प डेस्क की डिजिटल शुरूआत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सम्मान को संस्कार बनाना होगा, इसके लिए मिशन शक्ति के इस कार्यक्रम को स्कूलों, कॉलेजों और अन्य संस्थाओं तक भी ले जाएं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हफ्ते भर के मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान बहुत कुछ बदला है,पुलिस विभाग ने इस दौरान बेहतर काम किया है। अभियान से जुड़े अन्य विभागों की गतिविधियों, भावी कार्ययोजना की समीक्षा मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय करें। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति के इस कार्यक्रम को व्यापक संदर्भों में लें, यह महिलाओं के प्रति लोगों की सोच और संस्कार बदलने वाला अभियान है। ऐसा तभी होगा जब अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ेंगे। किसी भी अभियान से जब शासन एवं प्रशासन के साथ समाज भी जुड़ता है तो नतीजे बेहतर होते हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गौतमबुद्ध नगर, लखनऊ, वाराणसी, मेरठ और आगरा में बने महिला हेल्प डेस्क में मौजूद कुछ जागरूक महिलाओं और जनप्रतिनिधियों से बात भी की।

महिला प्रतिनिधियों ने कहा कि बहू बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए सरकार शुरू से ही प्रतिबद्ध रही है। सरकार के इन कदमों में महिलाओं में सुरक्षा और आत्मविश्वास का भाव आया है। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक हितेश चंद्र अवस्थी ने कहा कि हमारा पूरा प्रयास मित्र पुलिस की अवधारणा को साकार करना है, उत्तर प्रदेश को सुरक्षित प्रदेश बनाने में हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

भारत में दो महीने में पहली बार कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या सात लाख के नीचे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में भारत को एक बड़ी उपलब्धि हासिल होने का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि गत दो महीनों में पहली बार देश में कोरोना वायरस से संक्रमित उपचाराधीन मरीजों की संख्या सात लाख से कम हुईहै। वहीं ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 69 लाख के पार हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि अब भारत में उपचाराधीन मरीजों के मुकाबले ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 10 गुना अधिक है। मंत्रालय ने बताया कि दो महीनों (63 दिनों) में पहली बार भारत में उपचाराधीन मरीजों की संख्या सात लाख से कम है। इससे पहले 22 अगस्त को इलाजरत मरीजों की संख्या 6,97,330 थी।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस समय देश में 6,95,509 उपचाराधीन मरीज हैं जो देश में अबतक संक्रमित पाए गए कुल मरीजों की संख्या का करीब 8.96 प्रतिशत हैं। मंत्रालय ने रेखांकित किया, '' कोविड-19 मरीजों के रोजाना ठीक होने की उच्च दर होने और मृत्युदर में तेज गिरावट की वजह से भारत में उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटने का सिलसिला जारी है।'' देश में कोरोना वायरस के संक्रमण से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 69,48,497 हो गई है जो उपचाराधीन मरीजों के मुकाबले 62,52,988 अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, गत 24 घंटे में देश में 73,979 कोविड-19 मरीज ठीक हुए जबकि इसी अवधि में संक्रमण के 54,366 नये मामलों की पुष्टि हुई। देश में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के ठीक होने की दर में और सुधार हुआ है और यह अब 89.53 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गयी है। मंत्रालय ने कहा कि देश में चिकित्सा अवसंरचना में विस्तार, केंद्र द्वारा इलाज के लिए जारी मानक उपचार नियमावली का राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अनुपालन, डॉक्टरों और बीमारी के खिलाफ अग्रिम मोर्चे पर लड़ रहे स्वास्थ्य कर्मियों की प्रतिबद्धता से कोविड-19 मरीजों के ठीक होने की दर बढ़ी है और मृत्युदर में गिरावट आई है। मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 मरीजों की मृत्युदर गिरकर आज 1.51 प्रतिशत पर आ गई है। मंत्रालय ने रेखांकित किया , ''इन दोनों का नतीजा है कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार कमी आ रही है।'' आंकड़ों के मुताबिक, देश के 24 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं जहां पर उपचाराधीन मरीजों की संख्या 20 हजार से कम हैं। मंत्रालय ने बताया कि कोविड-19 से ठीक होने वाले 81 प्रतिशत मरीज 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के हैं। ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश हैं। आंकड़ों के मुताबिक, एक दिन में सबसे अधिक 16 हजार से अधिक मरीज महाराष्ट्र में ठीक हुए हैं जबकि कर्नाटक संक्रमण मुक्त होने वाले 13 हजार से अधिक मरीजों के साथ दूसरे स्थान पर है। मंत्रालय ने बताया कि गत 24 घंटे में सामने आए 54,366 नये मामलों में 78 प्रतिशत मामले महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और ओडिशा से हैं। महाराष्ट्र और केरल में सबसे अधिक 7,000 से अधिक नये मामले सामने आए हैं जबकि कर्नाटक में 5,000 से अधिक नये मामले दर्ज किए गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि गत 24 घंटे में कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से 690 लोगों की मौत हुई जिनमें से 81 प्रतिशत मौतें 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सीमित हैं। ये राज्य हैं महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, केरल, आंध्र प्रदेश और ओडिशा। मंत्रालय ने बताया कि महाराष्ट्र में एक दिन में सबसे अधिक 198 लोगों की मौत दर्ज की गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)